महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना
Learning Outcome based Curriculum Framework (LOCF)
एम.ए. भाषाविज्ञान
(सत्र 2022-23)

शिक्षण कार्यक्रम-विवरण

Teaching Programme Details

1. **विभाग/केंद्र का नाम (Name of the Department/Centre)** : भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग
2. **कार्यक्रम का नाम (Name of theProgramme)** : एम.ए. भाषाविज्ञान
3. **कार्यक्रम कोड (Code of theProgramme)** : MALG
4. **अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes-CLOS) (PLOs) : (Programme Learning Outcomes)**

ज्ञान संबंधी **A**

1. हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं के संदर्भ में भाषाविज्ञान के सैद्धांतिकपक्ष का ज्ञान।
2. भाषा के स्तरों-'स्वनिम-प्रोक्ति और अर्थ पर पाई जाने वाली भाषिक इकाइयों और शोध व्यवस्था की समझ।
3. भाषाओं के अध्ययन और शोध की समझ।
4. भाषा-अध्ययन के समाजभाषिक और मनोभाषिक पक्षों का ज्ञान।
5. भाषा के अनुप्रयुक्त पक्षों- भाषा शिक्षण, अनुवाद, कोशविज्ञान का ज्ञान।
6. भाषा के तकनीकी अनुप्रयोग का परिचय।

B **कौशल/दक्षता संबंधी**

1. भाषा-विश्लेषण/सैद्धांतिक भाषाविज्ञान के विविध पक्षों की दक्षता।
2. हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं पर संरचनात्मक शोध का कौशल ।
3. भाषा शिक्षण संबंधी कौशल।
4. अनुवाद कौशल हेतु भाषाओं का आधारभूत ज्ञान।
5. कोश-निर्माण, कार्पस-निर्माण संबंधी कौशल।
6. भाषाओं के डाटा संग्रह एवं संसाधन संबंधी कौशल।

C **रोजगार संबंधी**

1. उच्च शिक्षण संस्थानों में भाषाविज्ञान में शिक्षक।
2. भाषा संबंधी शोध- परियोजनाओं में शोध- अनुषंगी (Research Language Associate)
3. भाषा शिक्षक।
4. अनुवादक, कोश-निर्माणकर्ता।

कार्यक्रम-विवरण

Programme Details

1. **कार्यक्रम का नाम (Name of theProgramme)** : **एम.ए. भाषाविज्ञान**
2. **कार्यक्रम कोड (Code of theProgramme)** : **MALG**
3. **क्रेडिट (Credit)** :**80**
4. **सेमेस्टर (Semesters)** : **04**
5. **कार्यक्रम संरचना (Programme Structure) :**

सेमेस्टर	**मूल (Core)**		**वैकल्पिक (Elective)**	
प्रथम सेमेस्टर	पाठ्यचर्या 1 (04 क्रेडिट) MALG-S1C1	भाषा और भाषाविज्ञान (Language and Linguistics)	**विकल्प समूह: 01**	
	पाठ्यचर्या 2 (04 क्रेडिट) MALG-S1C2	स्वनविज्ञान एवं स्वनिमविज्ञान (Phonetics and Phonology)	पाठ्यचर्या 1 (04 क्रेडिट) MALG-S1O1	भाषाविज्ञान की अंतरानुशासनिकता (Interdisciplinarity of Linguistics)
	पाठ्यचर्या 3 (04 क्रेडिट) MALG-S1C3	रूपविज्ञान (Morphology)	पाठ्यचर्या 2 (04 क्रेडिट) MALG-S1O2	हिंदी भाषा और उसका व्याकरण (HindiLanguage and its Grammar)
द्वितीय सेमेस्टर	पाठ्यचर्या 4 (04 क्रेडिट) MALG-S2C1	वाक्यविज्ञान (Syntax)	**विकल्प समूह: 02**	
	पाठ्यचर्या 5 (04 क्रेडिट) MALG-S2C2	अर्थमीमांसा (Semantics&Pragmatics)	पाठ्यचर्या 1 (04 क्रेडिट) MALG-S2O1	काव्यभाषा (Poetic Language)
	पाठ्यचर्या 6 (04 क्रेडिट) MALG-S2C3	भाषाविज्ञान का इतिहास (History of Linguistics)	पाठ्यचर्या 2 (04 क्रेडिट) MALG-S2O1	शैलीविज्ञान (Stylistics)
तृतीय सेमेस्टर	पाठ्यचर्या 7 (04 क्रेडिट) MALG-S3C1	समाजभाषाविज्ञान (Sociolinguistics)	**विकल्प समूह: 03**	
	पाठ्यचर्या 8 (04 क्रेडिट) MALG-S3C2	मनोभाषाविज्ञान और संज्ञानात्मक भाषाविज्ञान (Psycholinguistics&Cognitive Linguistics)	पाठ्यचर्या 1 (04 क्रेडिट) MALG-S3O1	भारतीय भाषा चिंतन (Indian Linguistic Thought)
	पाठ्यचर्या 9 (04 क्रेडिट) MALG-S3C3	आधुनिक भाषावैज्ञानिक सिद्धांतऔर मॉडल (ModernLinguisticTheories& Models)	पाठ्यचर्या 2 (04 क्रेडिट) MALG-S3O2	हिंदी भाषा की संरचना (Structure of Hindi Language)
चतुर्थ सेमेस्टर	पाठ्यचर्या10 (04 क्रेडिट) MALG-S4C1	ऐतिहासिक एवं तुलनात्मक भाषाविज्ञान	**विकल्प समूह: 04**	

<table>
<tr><td rowspan="4"></td><td></td><td>(Historical&ComparativeLinguistics)</td><td colspan="2" rowspan="2"></td></tr>
<tr><td>पाठ्यचर्या 11
(02 क्रेडिट)
MALG-S4C2</td><td>कार्पस भाषाविज्ञान
(Corpus Linguistics)</td></tr>
<tr><td>पाठ्यचर्या 12
(04 क्रेडिट)
MALG-S4C3</td><td>भाषा सर्वेक्षण
(LanguageSurvey)</td><td>पाठ्यचर्या 1
(04 क्रेडिट)
MALG-S4O1</td><td>भाषा और मीडिया/भाषा और जेंडर
(Language and Media/ Language and Gender)</td></tr>
<tr><td>पाठ्यचर्या 13
(02 क्रेडिट)
MALG-S4C4</td><td>परियोजना कार्य
(ProjectWork)</td><td>पाठ्यचर्या 2
(04 क्रेडिट)
MALG-S4O2</td><td>कोशविज्ञान और कोश-निर्माण/ भाषा प्रौद्योगिकी और प्राकृतिक भाषा संसाधन

(Lexicology&Lexicography/Language Technology and NLP)</td></tr>
<tr><td>कुल योग</td><td>48 क्रेडिट</td><td></td><td colspan="2">32 क्रेडिट</td></tr>
</table>

विस्तृत पाठ्यचर्या (Detailed Course)

1. पाठ्यचर्या का नाम- भाषा और भाषाविज्ञान
2. पाठ्यचर्या का कोड – MALG-S1C1
3. क्रेडिट (Credit) - 04
4. सेमेस्टर (Semester) - I
5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	17
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशल विकास गतिविधियाँ	03
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

'भाषा' मनुष्य के सामाजिक प्राणी होने का आधार है, जिसका अध्ययन भाषाविज्ञान में किया जाता है। अतः भाषाविज्ञान के अध्येता का 'भाषा' के विविध पक्षों से संकल्पनात्मक परिचय आवश्यक है। इसे ही ध्यान में रखते हुए इस पाठ्यचर्या की विवेच्य विषय-वस्तु के रूप में भाषा के सभी महत्वपूर्ण पक्षों का समावेश किया गया है।इस पाठ्यचर्या का उद्देश्य विद्यार्थियों को भाषा और भाषाविज्ञान संबंधी आधारभूत अवधारणाओं का परिचय कराना है। इसमें भाषाविज्ञान और भाषा संबंधी आधारभूत अवधारणाओं को विभिन्न मॉड्यूल में इस प्रकार संगठित किया गया है कि विद्यार्थी विषय की एक प्रारंभिक समझ विकसित कर सके।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes-CLOS)

- भाषा का अर्थ, प्रकार्य और उसके आधारभूत घटकों का परिचय प्राप्त करना।
- भाषा के व्यावर्तक अभिलक्षणों और विभिन्न भाषावैज्ञानिक दृष्टियों से दी गई भाषा की परिभाषाओं को समझना।
- भाषाविज्ञान के स्वरूप, प्रकार एवं इसके सैद्धांतिक और अनुप्रयुक्त पक्षों से परिचित होना।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..		
मॉड्यूल-1	**भाषा : अर्थ एवं स्वरूप**	**11**	04	03	18	**30%**
1.1	भाषा क्या है?	03				
1.2	भाषा के प्रकार्य	03				
	भाषा : अभिव्यक्ति और संप्रेषण का माध्यम	02				
	भाषा : सामाजिक संपर्क का माध्यम	01				
	भाषा : चिंतन का माध्यम	01				
	भाषा : संस्कृति की संधारक	01				
मॉड्यूल-2	**भाषा के व्यावर्तक अभिलक्षण (Design Features)**	**04**	**02**	**01**	07	**12%**
	यादृच्छिकता (Arbitrariness) उच्चारण द्वित्व (Double Articulation) विस्थापन (Displacement) अंतर्विनिमेयता (Interchangeability) विशेषीकरण (Specialization) उत्पादकता (Productivity) सांस्कृतिक संचरण (Cultural Transmission)	04				

मॉड्यूल-3	**भाषा की परिभाषा : प्रमुख भाषावैज्ञानिक दृष्टिकोण**	**10**	**05**	**01**	16	**26%**
3.1	संरचनात्मक	02				
3.2	प्रकार्यात्मक	02				
3.3	प्रजनक	02				
3.4	संज्ञानात्मक	02				
3.5	समाजभाषिक	02				
मॉड्यूल-4	**भाषाविज्ञान**	**15**	**02**	**02**	**19**	**32%**
4.1	भाषाविज्ञान क्या है?	02				
4.2	भाषाविज्ञान और भाषाशास्त्र	03				
4.3	भाषाविज्ञान के अंग-01 (स्वन- स्वनविज्ञान)	02				
4.4	भाषाविज्ञान के अंग-02 (संरचना- स्वनिमविज्ञान, रूपविज्ञान, वाक्यविज्ञान, प्रोक्ति-विश्लेषण)	02				
4.5	भाषाविज्ञान के अंग-03 (अर्थ- अर्थविज्ञान एवं प्रकरणार्थविज्ञान)	02				
4.6	भाषाविज्ञान के प्रकार (ऐतिहासिक, तुलनात्मक एवं वर्णनात्मक भाषाविज्ञान)	02				
4.7	भाषाविज्ञान :सैद्धांतिक और अनुप्रयुक्त पक्ष	02				
योग		**40**	**13**	**07**	**60**	**100%**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान (Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केंद्रित
विधियाँ	व्याख्यान, कक्षाध्यापन पर चर्चा, अभ्यास, विद्यार्थियों के बीच वार्ता और अंतरक्रिया
तकनीक	कक्षाध्यापन, ऑनलाइन शिक्षण, व्याख्या, अभ्यास, ट्यूटोरियल
उपादान	प्रत्यक्ष कक्षा, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म (जैसे- गूगल मीट) , मूडल, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, अन्य उपलब्ध ऑनलाइन संसाधन

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix) :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓					

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning) :

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन(80%)	**मौखिकी (20%)**

घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30**%**	50**%**	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. बोरा राजमल, (2007) ,भाषाविज्ञान, दिल्ली: National Publishing house. 2. पाण्डेय, कैलाश नाथ, (2006) ,भाषाविज्ञान का रसायन, गाजीपुर: गाजीपुर साहित्य संसद. 3. शर्मा, देवेन्द्र, (2001) ,भाषाविज्ञान की भूमिका,नई दिल्ली: राधाकृष्ण प्रकाशन. 4. Akmajian, A, Richard, D., Farmer, A.K., Harnish, R. M. (2010) . Linguistics: An Introduction to Language and communication. New Delhi: PHI. 5. Lyons, J. (1981) . Language and Linguistics. London: C.U.P. 6. David, C. (2010) . The Cambridge Encyclopedia of Language. Cambridge: Cambridge University Press.
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. द्विवेदी, कपिलदेव. (2014) . भाषा-विज्ञान एवं भाषा -शास्त्र. वाराणसी : विश्विद्यालय प्रकाशन . 2. शर्मा, राजमणि आधुनिक भाषाविज्ञान, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली। 3. नारंग, वैश्वा (1996) सामान्य भाषाविज्ञान, नई दिल्ली : क्षितिज प्रकाशन। 4. रस्तोगी, डॉ. कविता (2000) समसामयिक भाषविज्ञान, सुलभ प्रकाशन, लखनऊ। 5. Chomsky, N. (1986) . Knowledge of Language: Its nature, origin, and use. New York: Praeger. 6. Fromkin, V., & Rodman, R. (1998) . An Introduction to Language. 6th edn, Fort Worth: Harcourt Brace. 7. Hymes, D. H., ed. (1964) . Language in culture and society. New York: Harper and Row. 8. Block, B. & Trager, G. L. (1972) . Outline of Linguistic analysis. New Delhi: MunshiramManoharlal. 9. Bloomfield, L. (2012) . Language. Delhi: Motilal Banarasi Das. 10. Katz, J. (1966) . The philosophy of language. New York: Harper and Row. 11. Robins, R. H. (1965) . General Linguistics: An Introductory Survey. Bloomington, Indiana University Press. 12. Jakobson, R., & M. Halle. (1956) .*Fundamentals of Language*, The Hague: Mouton.
3	ई-संसाधन	मूडल, वेबसाइट, ब्लॉग़, आई.सी.टी. आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी. पाठशाला एवं यूट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान आदि।
4	अन्य	

****

`

1. पाठ्यचर्या का नाम- स्वनविज्ञान और स्वनिमविज्ञान
(Phonetics& Phonology)

2. पाठ्यचर्या का कोड – MALG-S1C2

3. क्रेडिट (Credit) - 04

4. सेमेस्टर (Semester) - I

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशल विकास गतिविधियाँ	10
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

भाषा व्यवहार का मूलभूत माध्यम ध्वनि है। अतः भाषाविज्ञान के विद्यार्थी को स्वन एवं इसके अध्यन की शाखा का परिचय आवश्यक है। इस पाठ्यचर्या में सर्वप्रथम स्वनविज्ञान और इसकी शाखाओं को रखा गया है। आगे स्वनिमविज्ञान के अंतर्गत स्वनिम,स्वन और संस्वन, स्वनिमिक विश्लेषण, वितरण और स्वनिमों में पाए जाने वाले व्यावर्तक अभिलक्षणों को स्थान दिया गया है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes-CLOS)

- स्वनविज्ञान के स्वरूप एवं इसकी शाखाओं का परिचय होना।
- स्वनिक लिप्यंकन करने के कौशल का विकास।
- स्वनिमविज्ञान के स्वरूप और इसकी विषयवस्तु का बोध कराना।
- स्वनिमिक विश्लेषण, वितरण और स्वनिमों में पाए जाने वाले व्यावर्तक अभिलक्षणों से परिचित कराना।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में) व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)	कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
मॉड्यूल-1	**स्वनविज्ञान का अर्थ एवं स्वरूप**	**07**	**02**	**02**	**11**	**19%**
1.1	स्वनविज्ञान : अर्थ एवं परिभाषा	02				
1.2	स्वनविज्ञान की शाखाएँ	02				
1.3	वाक् अंग एवं वाक् उत्पदन प्रक्रिया (Speech Organs & Speech Production Process)	02				
1.4	उच्चारण स्थान (Places of Articulation) एवं उच्चारण प्रयत्न (Manners of Articulation)	01				
मॉड्यूल-2	**खंडीयएवं खंडेतर ध्वनियाँ**	**06**	**01**	**01**	**08**	**13%**
2.1	स्वर : परिभाषा एवं वर्गीकरण	02				
2.2	स्वर : वर्गीकरण एवं वर्गीकरण	02				
2.3	अधिखंडात्मक अभिलक्षण(SuprasegmentalFeatures) :दीर्घता (Length) , बलाघात (Stress),सुर (Pitch), संहिता (Juncture) आदि	**02**				
मॉड्यूल-3	**स्वनिक लिप्यंकन (Phonetic Transcription)**	**05**	**02**	**01**	**08**	**13%**
3.1	भाषा, लिपि और लिप्यंकन	01				
3.2	स्वनिक लिप्यंकन (Phonetic Transcription) क्या है?	01				
3.3	अंतरराष्ट्रीय ध्वन्यात्मक वर्णमाला (आई.पी.ए.)	03				

मॉड्यूल-4	**भौतिक स्वनविज्ञान**	**05**	**01**	**01**	**07**	**12%**
4.1	ध्वनि तरंग	02				
4.2	ध्वनि तरंग की प्रमुख विशेषताएँ- वायारंभ काल (Voice onset time) , आवृत्ति (Frequency), आयाम (Amplitude) , प्रबलता (Loudness), फॉर्मेंट (Formant) , प्रस्फोट (Burst) आदि।	03				
मॉड्यूल-5	**स्वनिमविज्ञान: परिभाषा एवं स्वरूप**	**03**	**01**	**01**	**05**	**08%**
5.1	स्वनिमविज्ञान क्या है?	01	01			
5.2	स्वनिमविज्ञान की विषयवस्तु	02		01		
मॉड्यूल-6	**स्वनिम, स्वन एवं संस्वन (Phoneme, Phone and Allophone)**	**03**	**01**	**01**	**05**	**08%**
6.1	स्वनिम क्या है**?**	01				
6.2	स्वन और स्वनिम	01				
6.3	स्वनिम और संस्वन	01				
मॉड्यूल-7	**स्वनिमिक विश्लेषण**	**05**	**01**	**01**	**07**	**12%**
7.1	स्वनिमिक विश्लेषण का अर्थ	01				
7.2	स्वनिमिक विश्लेषण के आधार (क) स्वनिक सादृश्य (Phonetic Similarity) (ख) परिपूरक वितरण (Complementary Distribution) (ग) अभिरचना अन्विति (Pattern Congruity) (घ) लाघव (Economy)	02				
मॉड्यूल-8	**वितरण**	**04**	**01**	**01**	**06**	**10%**
8.1	वितरणक्या है?	01				
8.2	व्यतिरेकी वितरण	01				
8.3	परिपूरक वितरण	01				
8.4	मुक्त वितरण	01				
मॉड्यूल-9	**व्यावर्तक अभिलक्षण**	**02**		**01**	**03**	**05%**
योग		**40**	**10**	**10**	**60**	**100%**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान (Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केंद्रित
विधियाँ	व्याख्यान, कक्षाध्यापन पर चर्चा, अभ्यास, विद्यार्थियों के बीच वार्ता और अंतरक्रिया
तकनीक	कक्षाध्यापन, ऑनलाइन शिक्षण,तकनीकी प्लेटफॉर्म से सामग्री उपलब्ध कराना, व्याख्या, प्रत्यक्ष अभ्यास, प्रयोगशाला में अभ्यास
उपादान	प्रत्यक्ष कक्षा, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म (जैसे- गूगल मीट) , मूडल, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, अन्य उपलब्ध ऑनलाइन संसाधन

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix) :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓		✓				

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning) :

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा 75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा॥

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• तिवारी, भोलानाथ. (2002) .*हिंदी भाषा की ध्वनि संरचना*. दिल्ली: साहित्य सहकार. • धल, जी.बी. () . ध्वनिविज्ञान। • Carr, P. (1993) .*Phonology.* London: Macmillan. • Hawkins, P. (1984) .*Introducing Phonology.* London: Hutchinson. • International Phonetic Association. (1949) .*Principles of the International Phonetic Association*. Revised. ed. London: IPA. • Mackay, I.R.A. (1987) .*Phonetics: The science of speech production*. 2nd ed. Boston: Little Brown. • Sloat, C., Taylor S. & J. Hoard. (1978) .*Introduction to Phonology*. Englewood Cliffs, N.J.: Prentice-Hall.
2	संदर्भ-ग्रंथ	• Catford, J.C. (1977) .*Fundamental Problems in Phonetics.* Edinburgh: Edinburgh University Press. • Chomsky, N. & Halle, M. (1968) .*The sound pattern of English*. New York: Harper and Row. • Fant, G. (1960) .*Acoustic Theory of Speech Production*. Mouton: The Hague. • Jones, D. (1999) .*An Outline of English Phonetics.* Cambridge: Cambridge University Press. • Kenstowicz, M. (1994) .*Phonology in generative grammar.* Oxford: Blackwell. • Ladefoged, P. (1994) .*A course in phonetics*. 3rd ed. New York: Harcourt Brace Jovanovich. • Miller, G. (1981) .*Language and speech*. San Francisco: W.H. Freeman. • Smith, N.V. (1973) .*The acquisition of phonology*. Cambridge: Cambridge University Press.
3	ई-संसाधन	मूडल, वेबसाइट, ब्लॉग़, आई.सी.टी. आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी. पाठशाला एवं यूट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्यख्यान आदि।
4	अन्य	

****

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	15
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशल विकास गतिविधियाँ	05
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

1. पाठ्यचर्या का नाम- रूपविज्ञान (Morphology)
2. पाठ्यचर्या का कोड – MALG- S1C3
3. क्रेडिट (Credit) - 04
4. सेमेस्टर (Semester) - I
5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

इस पाठ्यचर्या में सर्वप्रथम रूपविज्ञान का परिचयदेते हुए रूपिम, रूप और संरूप की अवधारणाओं को बताया गया है। इसके पश्चात रूपिम के प्रकारों और रूपविज्ञान की शाखाओं को स्थान दिया गया है। आगे रूपिमिक वितरण, भारतीय और पाश्चात्य दृष्टि से किए गए शब्दभेद वर्गीकरण औरव्याकरणिक कोटियों को रखा गया है। अंत में व्युत्पादन और रूपसाधन की प्रक्रियाओं को स्थान दिया गया है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes-CLOS)

- 'रूपिम, रूप और संरूप'की अवधारणाओं की स्पष्ट समझ।
- रूपिम के प्रकारों और रूपविज्ञान की शाखाओं का परिचय।
- शब्दभेदों और व्याकरणिक कोटियों का ज्ञान।
- व्युत्पादन और रूपसाधन की प्रक्रियाओं की समझ।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	संवाद / प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**रूपविज्ञान: परिचय**	**03**	**01**	**01**	**05**	**08%**
1.1	रूपविज्ञान क्या है?	01				
1.2	रूपविज्ञान की विषयवस्तु	02				
मॉड्यूल-2	**रूपिम, रूप और संरूप**	**07**	**01**	**01**	**09**	**15%**
2.1	रूपिम क्या है?	01				
2.2	रूपिम और रूप	01				
2.3	रूपिम और संरूप	01				
2.4	रूपिम, रूप और संरूप (एक पाठ से रूपिम, रूप और संरूप विश्लेषित करना)	03				
2.5	रूपिम और शब्द	01				
मॉड्यूल-3	**रूपिम के प्रकार**	**04**	**01**	**01**	**06**	**10%**
3.1	मुक्त रूपिम और इसके प्रकार	02				
3.2	बद्ध रूपिम और इसके प्रकार	02				
मॉड्यूल-4	**रूपविज्ञान की शाखाएँ**	**04**	**01**	**01**	**06**	**10%**
4.1	व्युत्पादक रूपविज्ञान (Derivational Morphology)	02				

4.2	रूपसाधक रूपविज्ञान (Inflectional Morphology)	02				
मॉड्यूल-5	**रूपिमिक वितरण**	**02**		**01**	**03**	**05%**
5.1	व्यतिरेकी वितरण	01				
5.2	परिपूरक वितरण	01				
मॉड्यूल-6	**शब्दभेद**	**04**	**01**	**02**	**07**	**13%**
6.1	भारतीय वर्गीकरण	01				
6.2	पाश्चात्य वर्गीकरण	01				
6.3	विकारी और अविकारी शब्द	01				
6.4	विवृत्त और संवृत्त समुच्च य (Open and Close set)	01				
मॉड्यूल-7	**व्याकरणिक कोटियाँ**	**05**	**01**	**01**	**07**	**12%**
7.1	व्याकरणिक कोटियाँ : अर्थ, आवश्यकता एवं महत्व	01				
7.2	व्याकरणिक कोटियाँ-01 (लिंग, वचन, पुरुष)	01				
7.3	व्याकरणिक कोटियाँ-02 (काल, पक्ष, वृत्ति)	01				
7.4	व्याकरणिक कोटियाँ-03 (कारक, वाच्य)	01				
7.5	व्याकरणिक कोटियों के प्रयोग एवं पहचान का अभ्यास	01				
मॉड्यूल-8	**व्यु त्पादन की प्रक्रियाएँ**	**07**	**02**	**01**	**10**	**17%**
8.1	उपसर्ग योग	01				
8.2	प्रत्यय योग	02				
8.3	समास	01				
8.4	अन्य (पुनरुक्ति, शून्य प्रत्यय योग आदि)	01				
8.5	संधि	02				
मॉड्यूल-9	**रूपसाधन (पदसाधन)**	**04**	**01**	**01**	**06**	**10%**
9.1	संज्ञा, विशेषण	02				
9.2	क्रिया	01				
9.3	अन्य शब्दभेद एवं अविकारी शब्द	01				
योग		**40**	**10**	**10**	**60**	**100%**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान (Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केंद्रित
विधियाँ	व्याख्यान, कक्षाध्यापन पर चर्चा, अभ्यास, विद्यार्थियों के बीच वार्ता और अंतरक्रिया
तकनीक	कक्षाध्यापन, ऑनलाइन शिक्षण,तकनीकी प्लेटफॉर्म से सामग्री उपलब्ध कराना, व्याख्या, प्रत्यक्ष अभ्यास
उपादान	प्रत्यक्ष कक्षा, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म (जैसे- गूगल मीट) , मूडल, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, अन्य उपलब्ध ऑनलाइन संसाधन

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix) :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	✓				

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning) :

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा 75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• उप्रैति, मुरारी लाल. (1964) हिंदी में प्रत्यय विचार. आगरा : विनोद पुस्तक मंदिर • तिवारी, भोलानाथ. () . हिंदी की रूप-संरचना. नई दिल्ली : वाणी प्रकाशन। • तिवारी, भोलानाथ. (2004) . हिंदी की शब्द-संरचना. नई दिल्ली : वाणी प्रकाशन। • Matthews, P. (1991) .Morphology. 2ndedn, Cambridge: Cambridge University Press. • Matthews, P. H. (1972) .Inflectional morphology. Cambridge: Cambridge University Press.
2	संदर्भ-ग्रंथ	• गुरू, कामताप्रसाद. (1997) . हिंदी व्याकरण. काशी: नागरी प्रचारिणी सभा. • वाजपेयी, किशोरीदास. (1998) . हिंदी शब्दानुशासन. काशी: नागरी प्रचारिणी सभा • Aronoff, M. (1976) .Word formation in generative grammar. Cambridge, Mass: MIT Press. • Austin, J. L. (1962) .How to do things with Words. Oxford: Oxford University Press. • Blakemore, D. (1992) .Understanding utterances. Oxford: Blackwell. • Lyons, J. (1968) .Introduction to theoretical Linguistics. London: C.U.P.
3	ई-संसाधन	मूडल, वेबसाइट, ब्लॉग़, आई.सी.टी. आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी. पाठशाला एवं यूट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्यख्यान आदि।
4	अन्य	

****

1. पाठ्यचर्या का नाम- भाषाविज्ञान की अंतरानुशासनिकता (Interdisciplinarity of Linguistics)

2. पाठ्यचर्या का कोड – MALG- S2C4

3. क्रेडिट (Credit) - 04

4. सेमेस्टर (Semester) - II

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशल विकास गतिविधियाँ	10
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

भाषा मानव चिंतन और ज्ञान का आधार है। इस कारण यह मानव मस्तिष्क, मन, समाज एवं क्रियाकलाप से जुड़े सभी विषयों से अपने-आप को जोड़ती है। अतः व्यापक स्तर पर भाषाविज्ञान कुछ अन्य विषयों के साथ अपने-आप को जोड़ते हुए अंतरानुशासनिक शाखाओं के माध्यम से अपनी पूर्णता को प्राप्त करता है। भाषाविज्ञान की इन शाखाओं में मनोभाषाविज्ञान, समाजभाषाविज्ञान, शैलीविज्ञान, भाषा प्रौद्योगिकी आदि प्रमुख हैं, तो दर्शनशास्त्र, भूगोल, न्यूरोविज्ञानऔर तर्कशास्त्र आदि भी अपने आप को भाषाविज्ञान से संबद्ध करते हैं। प्रस्तुत पाठ्यचर्या इन सभी का परिचय कराती है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes-CLOS)

प्रस्तुत पाठ्यचर्या के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी मनोविज्ञान, समाजविज्ञान, साहित्य, प्रौद्योगिकी, दर्शनशास्त्र, भूगोल, न्यूरोविज्ञानऔर तर्कशास्त्र के साथ भाषाविज्ञान के संबंधों और इस प्रकार विकसित अंतरानुशासनिक विषयों की विषयवस्तु से परिचित हो सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या एवं नाम	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**भाषाविज्ञान और मनोविज्ञान**	**10**	**03**	**03**	**16**	**27%**
1.1	भाषा और मन का संबंध	02				
1.2	मनोभाषाविज्ञान	04				
1.3	मनोभाषाविज्ञान की विषयवस्तु	04				
मॉड्यूल-2	**भाषाविज्ञान और समाजविज्ञान**	**08**	**02**	**02**	**12**	**20%**
2.1	भाषा और समाज का संबंध	02				
2.2	समाजभाषाविज्ञान	03				
2.3	समाजभाषाविज्ञान की विषयवस्तु	03				
मॉड्यूल-3	**भाषाविज्ञान और साहित्य**	**10**	**02**	**02**	**14**	**23%**
3.1	भाषा और साहित्य का संबंध	04				
3.2	शैलीविज्ञान	03				
3.3	शैलीविज्ञान की विषयवस्तु	03				
मॉड्यूल-4	**भाषाविज्ञान और कंप्यूटरविज्ञान**	**06**	**02**	**01**	**09**	**15%**
4.1	भाषा और कंप्यूटर का संबंध	02				
4.2	भाषा प्रौद्योगिकी और कंप्यूटेशनल भाषाविज्ञान	02				
4.3	भाषा प्रौद्योगिकी/कंप्यूटेशनल भाषाविज्ञान की विषयवस्तु	02				

मॉड्यूल-5	भाषाविज्ञान और अन्य प्रमुख संबंधित ज्ञानक्षेत्र	06	01	02	09	15%
5.1	भाषाविज्ञान और दर्शनशास्त्र	02				
5.2	भाषाविज्ञान और भूगोल	01				
5.3	भाषाविज्ञान और न्यूरोविज्ञान	01				
5.4	भाषाविज्ञान और तर्कशास्त्र	02				
योग		**40**	**10**	**10**	**60**	**100%**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान (Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केंद्रित
विधियाँ	व्याख्यान, कक्षाध्यापन पर चर्चा, अभ्यास, विद्यार्थियों के बीच वार्ता और अंतरक्रिया
तकनीक	कक्षाध्यापन, ऑनलाइन शिक्षण,तकनीकी प्लेटफॉर्म से सामग्री उपलब्ध कराना, व्याख्या, प्रत्यक्ष अभ्यास, प्रयोगशाला में अभ्यास, होमवर्क, ट्यूटोरियल,
उपादान	प्रत्यक्ष कक्षा, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म (जैसे- गूगल मीट) , मूडल, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, अन्य उपलब्ध ऑनलाइन संसाधन

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix) :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	✓				

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning) :

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन(25%)					**सत्रांत परीक्षा 75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन(80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	▪ द्विवेदी,कपिलदेव.(1951). अर्थविज्ञान और व्याकरणदर्शन,इलाहाबाद: हिंदुस्तानी एकेडेमी. ▪ भाटिया,डॉ कैलाशचन्द्र.(2007).भाषा-भूगोल,लखनऊ:उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान. ▪ वर्मा,सत्यकाम.().व्याकरण की दार्शनिक भूमिका. ▪ सिंह,रामलाल.().भाषा-दर्शन.वाराणसी: विद्या-मंदिर. ▪ The Routledge Handbook of Language and Culture. (2014). United Kingdom: Taylor & Francis. ▪ Jaworska, S., Aslan, E., Jones, R. H. (2020). Language and Media: A

		Resource Book for Students. United Kingdom: Taylor & Francis. ▪ Chales, Ebenmann. (2018). Manual Of Geography And Language, Forgotten Books. ▪ Kemmerer, David. (2014). Cognitive Neuroscience Of Language, Psychologypress. ▪ Baggio, Giosue. (2022). Neuro Linguistics, The Mit Press. ▪ Stemmer, Brigitte And Whitaker, A. Harry. (2008). Nero Science Of Language, Academic Press. ▪ Cusimano, Christophe. (2021). Language And Neurology: Alzheimer's Disease, Johnwiley& Sons. ▪ Solarz,Wojciech Marcin.(2017).The Language Of Global Development,Rutledge. ▪ Mcallister,Jan And Miller,Jim.(2013).Introductory Linguistics For Speech And Language Therapy Practice,Wiley-Blackwell.
3	ई-संसाधन	मूडल, वेबसाइट, ब्लॉग़, आई.सी.टी. आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी. पाठशाला एवं यूट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्यख्यान आदि।
4	अन्य	

****

1. पाठ्यचर्या का नाम- हिंदी भाषा और उसका व्याकरण
2. पाठ्यचर्या का कोड – MALG-S1O2
3. क्रेडिट (Credit) - 04
4. सेमेस्टर (Semester) - I
5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	09
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशल विकास गतिविधियाँ	11
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

प्रस्तुत पाठ्यचर्या हिंदी भाषा और इसके व्याकरण के विविध पक्षों का परिचय कराती है। इसमें हिंदी भाषा की पारंपरिक पुस्तकों में हिंदी भाषा के स्वरूप और विकास से संबंधित दी अवधारणाओं से आवश्यक भिन्नता के साथ भारतीय भाषाओं की विकास परंपरा में हिंदी के स्वरूप और विकास को प्रथम दो मॉड्यूलों में रखा गया है। इसके पश्चात हिंदी व्याकरणके अंतर्गत आने वाली भाषिक इकाइयों और उनकी व्यवस्था का परिचयात्मक समावेश किया गया है, इसके अंतर्गत मानक हिंदी वर्णमाला, स्वर-व्यंजन, प्रत्ययीकरण, संधि एवं समास, पद-निर्माणतथा शब्दवर्ग एवं व्याकरणिक कोटियोंसम्मिलित किया गया है। आगे हिंदी की वाक्य व्यवस्था के अंतर्गत पदबंध, उपवाक्य और वाक्य का परिचय दिया गया है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes-CLOS)

- हिंदी भाषा के स्वरूप एवं भारतीय भाषाओं की विकास परंपरा में उसके स्वाभाविक विकास की समझ विकसित करना।
- हिंदीकीमानक वर्णमाला,स्वर-व्यंजन का ज्ञान।
- हिंदी के शब्दवर्ग एवं व्याकरणिक कोटियाँ, प्रत्ययीकरण,संधि, समास एवं पद रचना का परिचय।
- पदबंध, उपवाक्य एवं वाक्य के स्वरूप आधारभूत ज्ञान।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**हिंदी भाषा: स्वरूप और विकास- 01**	**07**	**02**	**01**	**10**	**17%**
1.1	हिंदी भाषा	02				
1.2	भारतीय भाषा परंपरा और हिंदी	02				
1.3	हिंदी भाषा विकास के विविध चरण	01				
1.4	हिंदी की आधार भाषाएँ	01				
मॉड्यूल-2	**हिंदी भाषा: स्वरूप और विकास- 02**	**06**	**02**	**02**	**10**	**17%**
2.1	काव्यभाषा के रूप में हिंदी का विकास	01				
2.2	राष्ट्रभाषा हिंदी	03				
2.3	राजभाषा हिंदी	01				
2.4	भारत में भाषा नियोजन	01				
मॉड्यूल-3	**वर्ण एवं ध्वनि व्यवस्था**	**04**	**01**	**02**	**07**	**12%**
3.1	मानक हिंदी वर्णमाला	01				
3.2	स्वर	01				
3.3	व्यंजन	01				
3.4	खंडेतर अभिलक्षण	01				
मॉड्यूल-4	**शब्दभेद एवं व्याकरणिक कोटियाँ**	**05**	**02**	**02**	**09**	**15%**
4.1	शब्दभेद	03				
4.2	व्याकरणिक कोटियाँ	**02**				
मॉड्यूल-5	**शब्द रचना एवं पद रचना**	**10**	**01**	**02**	**13**	**22%**
5.1	प्रत्ययीकरण	02				
5.2	समास	**04**				
5.3	संधि	02				
5.4	हिंदी पद रचना	02				
मॉड्यूल-6	**हिंदी वाक्य व्यवस्था**	08	**01**	**02**	**11**	**19%**
6.1	पदबंध, उपवाक्य एवं वाक्य	**04**				
6.2	उद्देश्य एवं विधेय	02				
6.3	वाक्य के गुण: आकांक्षा, योग्यता एवं सन्निधि	02				
योग		**40**	**09**	**11**	**60**	**100%**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान (Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching) :

अभिगम	विद्यार्थी केंद्रित
विधियाँ	व्याख्यान, कक्षाध्यापन पर चर्चा, अभ्यास, विद्यार्थियों के बीच वार्ता और अंतरक्रिया
तकनीक	कक्षाध्यापन, ऑनलाइन शिक्षण,तकनीकी प्लेटफॉर्म से सामग्री उपलब्ध कराना, व्याख्या
उपादान	प्रत्यक्ष कक्षा, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म (जैसे- गूगल मीट) , मूडल, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, अन्य उपलब्ध ऑनलाइन संसाधन

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix) :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	✓				

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning) :

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा 75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30**%**	50**%**	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• गुरु, कामताप्रसाद (2009) . **हिंदी व्याकरण**. नई दिल्ली. प्रकाशन संस्थान। • वाजपेयी, किशोरीदास. (1998) .**हिंदी शब्दानुशासन**. वाराणसी. नागरी प्रचारिणी सभा। • काचरू, यमुना. (2006) . Hindi. Amsterdam/Phildelphia : John Benjamins Publishing Company.
2	संदर्भ-ग्रंथ	• तिवारी, भोलानाथ (2004) . **हिंदी भाषा की संरचना** नई दिल्ली. वाणी प्रकाशन। • पाण्डेय, अनिल कुमार (2010) .**हिंदी संरचना के विविध पक्ष**. नई दिल्ली. प्रकाशन संस्थान। • मिश्रा, एम.के. (2008) .**अभिनव हिंदी व्याकरण**. नई दिल्ली. आत्माराम एंड सन्स। • द्विवेदी, कपिलदेवस (2002) .**भाषाविज्ञान और भाषाशास्त्र**. चौक वाराणसी. विश्वविद्यालय प्रकाशन। • पाण्डेय, कैलाश नाथ (2006) .**भाषाविज्ञान का रसायन**. गाजीपुर. गाजीपुर साहित्य संसद। • सिंह, सूरजभान . (2000) . **हिंदी का वाक्यात्मक व्याकरण**. नई दिल्ली. साहित्य सहकार।
3	ई-संसाधन	• मूडल, वेबसाइट, ब्लॉग़, आई.सी.टी. आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी. पाठशाला एवं यूट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान आदि। • जगन्नाथन, वी. आर. (2016) **वाक्य की परिभाषा एवं स्वरूप**. ई.पी.जी. पाठशाला इकाई। (लिंक- http://epgp.inflibnet.ac.in/epgpdata/uploads/epgp_content/S000018HI/P001757/M023495/ET/1506595412HND_P5_M16_VaakyaKiParibhashaEvamSwaroop.pdf)
4	अन्य	

सेमेस्टर- II

****

1. पाठ्यचर्या का नाम- वाक्यविज्ञान (Syntax)
2. पाठ्यचर्या का कोड – MALG- S2C1
3. क्रेडिट (Credit) - 04
4. सेमेस्टर (Semester) - II
5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशल विकास गतिविधियाँ	10
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

'वाक्यविज्ञान' भाषाविज्ञान की केंद्रीय शाखा है। भाषा के स्तरों में इसका विस्तार 'पदबंध-उपवाक्य-वाक्य' तीनों स्तरों तक है। प्रस्तुत पाठ्यचर्या में वाक्यविज्ञान के स्वरूप और इसके विषयवस्तु से परिचय कराया गया है। इसके पश्चात 'पदबंध','उपवाक्य' और 'वाक्य' तीनों के स्वरूप और प्रकारों को स्थान दिया गया है। इसके साथ ही वाक्य के आधारभूत घटकों (उद्देश्य और विधेय) ,वाक्यात्मक युक्तियों (आकांक्षा, योग्यता, सन्निति) औरवाक्यार्थ विश्लेषण (अन्विताभिधानवाद और अभिहितान्वयवाद) को भी परिचय हेतु सम्मिलित किया गया है। इसके पश्चात वाक्य में प्राप्त होने वाले कारक संबंधों और कारकेतर संबंधों को रखते हुए अंत में वाक्य-विश्लेषण संबंधी महत्वपूर्ण संकल्पनाओं- रचना के अंत: केंद्रिक, बाह्य केंद्रिक प्रकार;वाक्य के घटकों में विन्यासक्रमी और सहचारक्रमी संबंध;सन्निहित घटक विश्लेवषण (IC Analysis) और वृक्ष आरेख की चर्चा की गई है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes-CLOS)

- वाक्यविज्ञान के स्वरूप और इसके विषयवस्तु का परिचय होना।
- पदबंध','उपवाक्य' और 'वाक्य' तीनों के स्वरूप और प्रकारों का ज्ञान होना।
- वाक्य के आधारभूत घटकों (उद्देश्य और विधेय) ,वाक्यात्मक युक्तियों (आकांक्षा, योग्यता, सन्निति) औरवाक्यार्थ विश्लेषण (अन्विताभिधानवाद और अभिहितान्वयवाद) की समझ होना।
- वाक्य-विश्लेषण संबंधी महत्वपूर्ण संकल्पनाओं- रचना के अंत: केंद्रिक, बाह्य केंद्रिक प्रकार;वाक्य के घटकों में विन्यासक्रमी और सहचारक्रमी संबंध;सन्निहित घटक विश्लेवषण (IC Analysis) और वृक्ष आरेख आदि का परिचयात्मक ज्ञान होना।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**वाक्यविज्ञान : स्वरूप**	**03**	**01**	**01**	**05**	**08%**
1.1	वाक्यविज्ञान : परिभाषा एवं स्वरूप	01				
1.2	वाक्यविज्ञान की विषयवस्तु (पदबंध, उपवाक्य और वाक्य)	02				
मॉड्यूल-2	**पदबंध**	**07**	**02**	**01**	**10**	**17%**
2.1	पदबंध : परिभाषा एवं स्वरूप	01				
2.2	पदबंध के प्रकार (संरचना की दृष्टि से)	02				
2.3	पदबंध के प्रकार (प्रकार्य की दृष्टि से)	02				
2.4	वाक्य में पदबंध की सीमाओं का निर्धारण	02				
मॉड्यूल-3	**उपवाक्य**	**04**	**01**	**02**	**07**	**12%**

3.1	उपवाक्य : परिभाषा एवं स्वरूप	01				
3.2	उपवाक्य के प्रकार	02				
3.3	उपवाक्य और वाक्य में संबंधऔर अंतर	01				
मॉड्यूल-4	**वाक्य**	**10**	**02**	**03**	**15**	**25%**
4.1	वाक्य : परिभाषा एवं स्वरूप	02				
4.2	वाक्य के आधारभूत घटक (उद्देश्य और विधेय)	01				
4.3	वाक्यात्मक युक्तियाँ (आकांक्षा, योग्यता, सन्निधि)	01				
4.4	वाक्य के प्रकार (संरचना की दृष्टि से)	02				
4.5	वाक्य के प्रकार (अर्थ की दृष्टि से)	01				
4.6	पूर्ण वाक्य और अल्पांग वाक्य	01				
4.7	वाक्यार्थ विश्लेषण (अन्विताभिधानवाद और अभिहितान्वयवाद)	02				
मॉड्यूल-5	**वाक्य में प्रकार्यात्मक संबंध**	**06**	**01**	**02**	**09**	**15%**
5.1	कारक संबंध (भारतीय परिप्रेक्ष्य)	03				
5.2	कारक संबंध (पाश्चात्य परिप्रेक्ष्य)	02				
5.3	अन्य संबंध (पूरक, संबंधवाची)	01				
मॉड्यूल-6	**वाक्य विश्लेषण**	**10**	**03**	**01**	**14**	**23%**
6.1	रचनाप्रकार –अंत: केंद्रिक, बाह्य केंद्रिक (Construction Types-Endocentric, Exocentric)	02				
6.2	वाक्य के घटकों में विन्यासक्रमी और सहचारक्रमी संबंध	02				
6.3	सन्निहित घटक विश्लेषण (IC Analysis)	03				
6.4	वृक्ष आरेख	03				
योग		**40**	**10**	**10**	**60**	**100%**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान (Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केंद्रित
विधियाँ	व्याख्यान, कक्षाध्यापन पर चर्चा, अभ्यास, विद्यार्थियों के बीच वार्ता और अंतरक्रिया
तकनीक	कक्षाध्यापन, ऑनलाइन शिक्षण,तकनीकी प्लेटफॉर्म से सामग्री उपलब्ध कराना, व्याख्या, प्रत्यक्ष अभ्यास, प्रयोगशाला में अभ्यास, होमवर्क, ट्यूटोरियल,
उपादान	प्रत्यक्ष कक्षा, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म (जैसे- गूगल मीट) , मूडल, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, अन्य उपलब्ध ऑनलाइन संसाधन

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix) :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	✓				

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning) :

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन(25%)	**सत्रांत परीक्षा 75%)**

घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30**%**	50**%**	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• तिवारी, भोलानाथ. (2008) . हिंदी भाषा की संरचना. नयी दिल्ली : वाणी प्रकाशन. • श्रीवास्त व, रवींद्रनाथ. (1995) . हिंदी भाषा: संरचना के विविध आयाम. नयी दिल्ली : राधाकृष्ण. • सिंह, सूरजभान. (2000) . हिंदी का वाक्यात्मक व्याकरण. दिल्ली : साहित्य सहकार. • Brown, K. & Miller, J. (1991) .Syntax: A Linguistic Introduction to Sentence Structure. 2ndedn, London: Harper Collins. • Culicover, P. (1976) .Syntax. New York: Academic press. • Kachru, Y. (1966) .An Introduction to Hindi Syntax. Urbana: University of Illinois.
2	संदर्भ-ग्रंथ	• अग्निहोत्री, रमाकांत. (2013) . हिंदी: एक मौलिक व्याकरण. नयी दिल्ली : वाणी प्रकाशन. • काचरू, यमुना. (1980) . हिंदी का समसामयिक व्याकरण. नयी दिल्ली : मेकमिलन. • Bach, E. (1974) .Syntactic theory. New York: Holt, Rinehart and Winston. • Chomsky, N. (1957) .Syntactic structures. The Hague: Mouton. • Chomsky, N. (1965) .Aspects of the theory of syntax. Cambridge, Mass.: MIT Press. • Collins Cobuild. (1990) .English Grammar, London: HarperCollins. • Lyons, J. (1968) .Introduction to theoretical Linguistics. London: C.U.P. • Matthews, P. (1981) .Syntax. Cambridge: Cambridge University Press. • McGregor, R.S. (1995) .Outline of Hindi Grammar, Oxford: Clarendon Press. • Napoli, D. J. (1993) .Syntax: Theory and problems. New York: Oxford University Press. • Sharma, A. (1972) .A Basic Grammar of Modern Hindi. New Delhi: C.H.D. • Verma, S.K. & Krishnaswamy, N. (1997) .Modern Linguistics: An Introduction. New Delhi: Oxford University Press.
3	ई-संसाधन	मूडल, वेबसाइट, ब्लॉग़, आई.सी.टी. आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी. पाठशाला एवं यूट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्यख्यान आदि।
4	अन्य	

****

1. पाठ्यचर्या का नाम- अर्थमीमांसा (Semantics&Pragmatics)

2. पाठ्यचर्या का कोड – MALG- S2C2

3. क्रेडिट (Credit) - 04

4. सेमेस्टर (Semester) - II

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशल विकास गतिविधियाँ	10
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

प्रस्तुत पाठ्यचर्या भाषाविज्ञान की दो महत्वपूर्ण शाखाओं- अर्थविज्ञान और प्रोक्ति-विश्लेषण का भारतीय संदर्भ के साथ परिचय कराती है। इसके अंतर्गत 'अर्थ और अर्थविज्ञान, भारतीय अर्थ चिंतन' तथा'प्रोक्ति और प्रकरणार्थविज्ञान' मॉड्यूलों में आवश्यक विवेच्य-विषयों का समावेश किया गया है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes-CLOS)

- अर्थविज्ञान तथा इसके भारतीय परिप्रेक्ष्य से परिचय।
- प्रोक्ति-विश्लेषण तथा प्रकरणार्थविज्ञान की प्रमुख अवधारणाओं का बोध।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या एवं नाम	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**अर्थ और अर्थविज्ञान**	**10**	**03**	**03**	**16**	**27%**
1.1	अर्थ क्या है?	01				
1.2	शब्द और अर्थ	01				
1.3	वाक्य और अर्थ	**01**				
1.4	कोशीय अर्थ और व्याकरणिक अर्थ	**01**				
1.5	अर्थ संबंधी प्रमुख अवधारणाएँ एवं आर्थी संबंध- पर्याय, विलोम, अधिनामी (hypernym), अवनामी (hyponym), अंगांगि (meronym) समनामी (homonym), पूर्वमान्यता (presupposition) और अनुलग्नता (entailment) , आशय एवं प्रसंग (sense and reference)	**02**				
1.6	अर्थविज्ञान	**01**				
1.7	कोशीय अर्थविज्ञान (Lexical semantics) , संरचनात्मक अर्थविज्ञान (Structural Semantics) & संज्ञानात्मक अर्थविज्ञान (Cognitive Semantics) रूपात्मक अर्थविज्ञान (Formal Semantics)	**01**				
1.8	आर्थी निरूपण- शब्द-संजाल (Wordnet) , हिंदी शब्दतंत्र (Hindi WordNet) और इंडो वर्डनेट, आर्थी-संजाल (Semantic Net) आदि।	**01**				
मॉड्यूल-2	**भारतीय अर्थ चिंतन**	**10**	**02**	**02**	**14**	**24%**

2.1	स्फोटवाद और अपोहवाद	02				
2.2	अभिहितान्वयवाद और अन्विताभिधानवाद	02				
2.3	मीमांसा दर्शन में वाक्यार्थ बोध संबंधीचिंतन- आकांक्षा, योग्यता, सन्निधि	02				
2.4	शब्दशक्तियाँ (अभिधा, लक्षणा, व्यंजना) और अर्थ की अभिव्यक्ति	02				
2.5	अर्थबोध के साधन	01				
2.6	प्रकृति और प्रत्यय	01				
मॉड्यूल-3	**प्रोक्ति और प्रकरणार्थविज्ञान (Discourse and Pragmatics)**	**07**	**02**	**02**	**11**	**18%**
3.1	प्रोक्ति की अवधारणा	02				
3.2	प्रोक्ति और पाठ	01				
3.3	प्रकरणार्थविज्ञान	02				
3.4	प्रोक्ति के पक्ष : पाठ, संदर्भ और प्रकार्य (text, context and function)	02				
3.5	**प्रोक्ति और संदर्भ-01**	**07**	**02**	**02**	**11**	**18%**
	पाठ बाह्य संदर्भ (Context Outside Text) :- (क) स्थित्यात्मक संदर्भ (Situational Context)	**01**				
	(ख) पृष्ठभूमिक ज्ञान संदर्भ (Background Knowledge Context)	**02**				
	(ग) सांस्कृतिक सामान्य ज्ञान(Cultural General Knowledge)	**02**				
	(घ) अंतरवैयक्तिक ज्ञान (Interpersonal Knowledge)	**02**				
3.6	**प्रोक्ति और संदर्भ-02** पाठगत संदर्भ (Textual Context) :- (क) व्याकरणिक संसक्ति (Grammatical Cohesion) (ख) कोशीय संसक्ति (Lexical Cohesion)	**06**	**01**	**01**	**08**	**13%**
3.6	सहपाठ (Co-Text) , अंतरपाठ (Intertext)	02				
3.7	वाक् व्यापार (Speech Act)	02				
3.8	प्रासंगिकता का सिद्धांत (Theory of Relevance)	01				
3.9	सहकारिता सिद्धांत (Cooperative Principle)	01				
योग		**40**	**10**	**10**	**60**	**100%**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान (Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केंद्रित
विधियाँ	व्याख्यान, कक्षाध्यापन पर चर्चा, अभ्यास, विद्यार्थियों के बीच वार्ता और अंतरक्रिया
तकनीक	कक्षाध्यापन, ऑनलाइन शिक्षण,तकनीकी प्लेटफॉर्म से सामग्री उपलब्ध कराना, व्याख्या, प्रत्यक्ष अभ्यास, प्रयोगशाला में अभ्यास, होमवर्क, ट्यूटोरियल,
उपादान	प्रत्यक्ष कक्षा, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म (जैसे- गूगल मीट) , मूडल, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, अन्य उपलब्ध ऑनलाइन संसाधन

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix) :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓						

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning) :

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा 75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30**%**	50**%**	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. Fodor, J.D. (1977) .*Semantics*. Hillsdale, N.J.: Lawrence Erlbaum Associates. 2. Leech, G. (1974) .*Semantics*.London: Penguin. 3. Lyons, J. (1977) .*Semantics*. 2 vols. Cambridge: Cambridge University Press.
2	संदर्भ-ग्रंथ	4. Fodor, J. D. (1977) .*Semantics: Theories of meaning in generative grammar*. New York: Crowell. 5. Jackendoff, R. (1972) .*Semantic interpretation in generative grammar*. Cambridge, Mass.: MIT Press. 6. Kempson, R. (1977) .*Semantic theory*. Cambridge: Cambridge University Press. 7. Lehrer, K., & Lehrer, A. eds. (1970) .*Theory of meaning*. Englewood Cliffs, N.J.: Prentice-Hall. 8. Lepore, E. ed. (1987) .*New directions in semantics*. New York: Academic Press. 9. Levinson S.C. (1983) .*Pragmatics*. Cambridge: Cambridge University Press. 10. Miller, G. & Johnson-Laird, P. (1976) .*Language and perception*. Cambridge, Mass.: Harvard University Press. 11. Palmer, F. (1976) .*Semantics: A New Outline*.Cambridge: Cambridge University Press. 12. Platts, M. (1979) .*Ways of meaning*. London: Routledge and Kegan Paul. 13. Raja, K. Kunjunni. (1963) . Indian Theory of Meaning, Madras : Adyar Library and Research Centre. 14. Schiffer, S. (1988) .*Meaning*. 2nd ed. Oxford: Oxford University Press.
3	ई-संसाधन	मूडल, वेबसाइट, ब्लॉग़, आई.सी.टी. आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी. पाठशाला एवं यूट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान आदि।
4	अन्य	

****

1. पाठ्यचर्या का नाम- भाषाविज्ञान का इतिहास
2. पाठ्यचर्या का कोड – MALG-S2C3
3. क्रेडिट (Credit) - 04
4. सेमेस्टर (Semester) - II
5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	15
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशल विकास गतिविधियाँ	05
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

आधुनिक भाषाविज्ञान का उदय 19वीं सदी के अंत में हुआ, किंतु इसकी परंपरा प्राचीन है। यह पाठ्यचर्य भाषाविज्ञान के अध्येता को भाषा अध्ययन की भारतीय और पाश्चात्य परंपरा से परिचित कराती है। इसके अंतर्गत सर्वप्रथम भारत की प्राचीन समृद्ध भाषा चिंतन परंपरा और आधुनिक भारतीय भाषा चिंतन को संक्षिप्त स्थान दिया गया है। इसके पश्चात पश्चिमी परंपरा में ग्रीक, रोमन से होते हुए नवजागरण, आधुनिक भाषाविज्ञान का उद्भव और वर्तमान में प्रचलित प्रमुख संप्रदायों का परिचय दिया गया है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes-CLOS)

- भारत की प्राचीन भाषा चिंतन परंपरा का अवधारणात्मक ज्ञान होना।
- पश्चिम में भाषाविज्ञान के ऐतिहासिक विकासक्रम से परिचित होना।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percent age share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**भारतीयचिंतन परंपरा**	**15**	**02**		**17**	**28%**
1.1	वैदिक परंपरा और वेदांग (शिक्षा, कल्प, निरुक्त, व्याकरण, छंद और ज्योतिष)	05				
1.2	वाक् के रूप	02				
1.3	मुनित्रय (पाणिनि, कात्यायन,पतंजलि)	04				
1.4	वाक्य के गुण (आकांक्षा, योग्यता, सन्निधि)	02				
1.5	प्रकृति (धातु और प्रातिपदिक) और प्रत्यय (सुप् और तिङ्)	02				
मॉड्यूल-2	**आधुनिकभारतीय परंपरा**	**04**	**02**	**02**	**08**	**14%**
2.1	आधुनिक भारतीय भाषा चिंतक	02				
2.2	आधुनिक भारतीय वैयाकरण	02				
मॉड्यूल-3	**पश्चिमी भाषा चिंतन का उद्भव और विकास**	**10**	**02**	**03**	**15**	**25%**
3.1	ग्रीक भाषा चिंतन	02				
3.2	रोमन भाषा चिंतन	02				
3.3	विलियम जोंस का योगदान	02				
3.4	रेनेसां से बीसवीं सदी के आरंभ तक	02				
3.5	नववैयाकरण	02				

मॉड्यूल-4	**सस्यूर और आधुनिक भाषाविज्ञान का उदय**	**05**	**02**	**02**	**09**	**15%**
4.1	सस्यूर : एक परिचय	02				
4.2	सस्यूर की प्रमुख अवधारणाएँ	03				
मॉड्यूल-5	**आधुनिक भाषाविज्ञान : प्रमुख संप्रदाय**	**06**	**03**	**02**	**11**	**18%**
5.1	प्रकार्यात्मक भाषाविज्ञान	02				
5.2	संरचनात्मक भाषाविज्ञान	02				
5.3	नोएम चॉम्स्की और प्रजनक व्याकरण	02				
योग		**40**	**11**	**09**	**60**	**100%**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान (Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केंद्रित
विधियाँ	व्याख्यान, कक्षाध्यापन पर चर्चा, अभ्यास, विद्यार्थियों के बीच वार्ता और अंतरक्रिया
तकनीक	कक्षाध्यापन, ऑनलाइन शिक्षण,तकनीकी प्लेटफॉर्म से सामग्री उपलब्ध कराना, व्याख्या, अभ्यास
उपादान	प्रत्यक्ष कक्षा, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म (जैसे- गूगल मीट) , मूडल, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, अन्य उपलब्ध ऑनलाइन संसाधन

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix) :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	✓				

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning) :

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा 75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30**%**	50**%**	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• तिवारी, भोलानाथ (1993) . आधुनिक भाषाविज्ञान. नई दिल्ली : लिपि प्रकाशन । • द्विवेदी, कपिलदेव (2005) . भाषा-विज्ञान एवं भाषा-शास्त्र. वाराणसी : विश्वविद्यालय प्रकाशन। • नगेंद्र (2002) . भाषाशास्त्र के सूत्रधार. नोएडा : मयूर पेपरबक्स। • Janson, Tore (2002) .Speak : a short history of languages.Oxford University Press. • Robins, R. H. (1997) .A short history of linguistics. Routledge.
2	संदर्भ-ग्रंथ	• तिवारी, भोलानाथ (2009) . भाषाविज्ञान. इलाहाबाद : किताब महल।

3		• नारंग, वैश्वा (1996) . सामान्य भाषाविज्ञान. नई दिल्ली : क्षितिज प्रकाशन। • शर्मा, देवेंद्रनाथ (2001) . भाषाविज्ञान की भूमिका. राधाकृष्ण प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली। • Crystal, David (2003) . A Dictionary of Linguistics and Phonetics. Blackwell Publishing. • Davies, Anna Morpurgo &Lepschy, Giulio C. (1998) . History of Linguistics. Volum Nineteenth-Century Linguistics..Routledge. • Jespersen, Otto (1922) . Language; its nature, development and origin. Routledge.
3	ई-संसाधन	• मूडल, वेबसाइट, ब्लॉग़, आई.सी.टी. आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी. पाठशाला एवं यूट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान आदि। • https://bharatdiscovery.org/india/%E0%A4%B5%E0%A5%87%E0%A4%A6 • https://hi.wikipedia.org/wiki/निरुक्त https://hi.unionpedia.org/i/%E0%A4%A8%E0%A4%BF%E0%A4%B0%E0%A5%81%E0%A4%95%E0%A5%8D%E0%A4%A4
4	अन्य	

1. पाठ्यचर्या का नाम- काव्यभाषा (Poetic Language)
2. पाठ्यचर्या का कोड – MALG- S2O1
3. क्रेडिट (Credit) - 02
4. सेमेस्टर (Semester) - II
5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	05
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशल विकास गतिविधियाँ	05
कुल क्रेडिट घंटे	**30**

भाषा के मुख्यतः तीन रूप हैं । बोलचाल की भाषा, सामान्य (व्याकरणिक) भाषा एवं सर्जनात्मक भाषा । काव्यभाषा अन्य दोनों रूपों का उपयोग करते हुए भी मूलतः सर्जनात्मक भाषा है। भाषा के अन्य रूपों से इसका मुख्य अंतर भाषा प्रयोग-विधि के कारण होता है, जिसका संबंध कवि-प्रतिभा और सर्जन-प्रक्रिया से होता है। काव्यभाषा के संघटन में भाषेतर तत्त्वों का भी योग होता है। काव्य रूपों के बदलाव के कारण काव्यभाषा के स्वरूप में भी बदलाव आता है। कवि, प्रतिभा और सर्जनात्मक प्रक्रिया के कारण ही, एक ही भाषा के अलग-अलग कवियों की काव्यभाषा की छवियाँ विशिष्ट हो जाती हैं। 'काव्यभाषा' पद यहाँ केवल कविता के लिए नहीं है। सभी सर्जनात्मक रूपों का वाचक है; भले ही उनकी रचना गद्य में हुई हो अथवा पद्य में।

इस पाठ्यचर्या में 'इसी काव्यभाषा' का सांगोपांग अध्ययन और काव्यभाषा के विश्लेषण की क्षमता का विकास अभीष्ट है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes-CLOS)

इस पाठ्यचर्या के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी काव्यभाषा के स्वरूप और संघटन से परिचित हो सकेंगे तथा काव्यभाषा केविश्लेषण की क्षमता अर्जित कर सकेंगे।

ज्ञान/बोध संबंधी	कौशल/दक्षता संबंधी	रोजगार संबंधी
✓	✓	✓

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला		
मॉड्यूल-1	**भाषा और काव्यभाषा**	**04**	**01**	**01**	**06**	**20%**
1.1	भाषा क्या है ?	01				

1.2	भाषा के रूप : बोलचाल की भाषा, सामान्य (व्याकरणिक) भाषा एवं सर्जनात्मक भाषा	02				
1.3	काव्यभाषा	01				
मॉड्यूल-2	**काव्यभाषा का स्वरूप**	**04**	**01**	**01**	**06**	**20%**
2.1	काव्यभाषा : चिंतन परंपरा	02				
2.2	काव्यभाषा का स्वरूप	02				
मॉड्यूल-3	**काव्यभाषा का संघटन और उसके उपादान**	**04**	**01**	**01**	**06**	**20%**
3.1	काव्यभाषा का संघटन और कवि प्रतिभा	02				
3.2	काव्यभाषा के प्रमुख उपदान : चित्र, बिंब, प्रतीक, अलंकार, छंद	02				
मॉड्यूल-4	**काव्य-रूप और काव्यभाषा**	**04**	**01**	**01**	**06**	**20%**
4.1	वर्णन-प्रकार और काव्यभाषा : प्रगीतात्मक (Lyrical) , वर्णनात्मक (Narrative) , नाट्य (Dramatic)	02				
4.2	कविता की भाषा, कथाभाषा, नाट्यभाषा	02				
मॉड्यूल-5	**काव्यभाषा का विश्लेषण : दृष्टांत पाठ**	**04**	**01**	**01**	**06**	**20%**
5.1	एक कविता या काव्यांश, एक गद्य रचना या एक गद्य पाठ्यांश की काव्यभाषा का दृष्टांत एवं स्वरूप	04				
योग		**20**	**05**	**05**	**30**	**100%**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, संवाद
विधियाँ	मिश्र
तकनीक	अभ्यास, प्रश्नोत्तरी, ट्यूटोरियल
उपादान	(ऑडियो-विजुअल)

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8	लक्ष्य 9	लक्ष्य 10
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की										

प्राप्ति										

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning) :

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक					
पूर्णांक					

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकनकिया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	**आधार/ पाठ्य- ग्रंथ**	1. चतुर्वेदी, रामस्वरूप. (1974) . मध्यकालीन हिंदी काव्यभाषा.इलाहाबाद: लोकभारती प्रकाशन 2. चतुर्वेदी, रामस्वरूप. (1996) . भाषा संवेदना और सर्जन. इलाहाबाद: लोकभारती प्रकाशन 3. चतुर्वेदी, रामस्वरूप. (2008) . काव्यभाषा पर तीन निबंध. इलाहाबाद: लोकभारती प्रकाशन 4. जैन, निर्मला. (2015) नयी समीक्षा के प्रतिमान. नयी दिल्ली : किताब घर प्रकाशन 5. तिवारी, सियाराम. (2015) .काव्यभाषा.नयी दिल्ली : वाणी प्रकाशन 6. रेने, वेलेक. (2008) .साहित्य सिद्धांत. इलाहाबाद : लोकभारती प्रकाशन 7. शुक्ल, रामचंद्र शुक्ल, (2014) . चिंतामणि-1 निबंध: कविता क्या है.इलाहाबाद : लोकभारती प्रकाशन 8. शुक्ल, हनुमानप्रसाद. (2004) .कविता की पहचान. नयी दिल्ली : नेशनल पब्लिशिंग हाउस 9. श्रोत्रिय, प्रभाकर. (2006) कविता की तीसरी आँख. नयी दिल्ली : नेशनल पब्लिशिंग हाउस 10. Brooks,Clinth. (1956) .TheWell-wroughtUrn London : DenisDobsonltd 11. Eagleton,Terry. (2007) .HowtoreadaPoem.Blackwell 12. Lewis, C.Day. (2006) .Thepoeticimage.Bloomsbury

		13. Richards,I.A. (1956) .Practical Criticism. Mariner Books 14. Warren,R.P.,& Brooks, Clinth. (1976) Understandingpoetry. New York: HenneryHolt and Company
2	**संदर्भ-ग्रंथ**	--
3	**ई-संसाधन**	--
4	**अन्य**	--

****

1. पाठ्यचर्या का नाम- शैलीविज्ञान (Stylistics)
2. पाठ्यचर्या का कोड – MALG- S2O2
3. क्रेडिट (Credit) - 04
4. सेमेस्टर (Semester) - II
5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशल विकास गतिविधियाँ	10
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

प्रस्तुत पाठ्यचर्या शैली और शैलीविज्ञान के विविध पक्षों का परिचय कराती है। इसके अंतर्गत प्रथम दो मॉड्यूलों में शैली तथा शैलीविज्ञानके अर्थ और स्वरूप को बताया गया है। इसके बादशैली-विश्लेषणके प्रतिमानों की बात करते हुए शैलीवैज्ञानिक विश्लेषण के स्तरों को रखा गया है। पाँचवें मॉड्यूल में शैलीवैज्ञानिक अध्ययन के भेदों की बात करते हुए अंत में शैली-विश्लेषण और भारतीय काव्यशास्त्र का परिचय दिया गया है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes-CLOS)

- विद्यार्थी को शैली तथा शैलीविज्ञानके अर्थ और स्वरूप का बोध होगा।
- शैली-विश्लेषणके प्रतिमानों तथा शैलीवैज्ञानिक विश्लेषण के स्तरों का ज्ञान होगा।
- शैलीवैज्ञानिक अध्ययन के भेदों तथा शैली-विश्लेषणकेभारतीय काव्यशास्त्र संबंधी पक्षका परिचय प्राप्त होगा।
- शैलीवैज्ञानिक विश्लेषण का कौशल विकसित होगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या एवं नाम	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**शैली : अर्थ, परिभाषा और स्वरूप**	**06**	**02**	**01**	**09**	**15%**
1.1	शैली : परिभाषा और स्वरूप	02				
1.2	बहिर्निष्ठ और अंतर्निष्ठ शैली	01				
1.3	शैली और संप्रेषणीयता	01				
1.4	शैली और वाग्मिता	01				
1.5	शैली और विधा	01				
मॉड्यूल-2	**शैलीविज्ञान**	**05**	**02**	**02**	**09**	**15%**
2.1	शैलीविज्ञान की परिभाषा, क्षेत्र और स्वरूप	02				
2.2	शैलीवैज्ञानिक समीक्षा	03				
मॉड्यूल-3	**शैली-विश्लेषणके प्रतिमान**	**11**	**03**	**03**	**17**	**28%**
3.1	**अग्रप्रस्तुति (Foregronding)**	08				
	विचलन (Deviation)					
	समानांतरता (Parallelism)					
	विपथन (Deflection)					
	विरलता (Rareness)					

3.2	शैलीचिह्नक (Style marker)	03				
मॉड्यूल-4	**शैलीवैज्ञानिक विश्लेषण के स्तर**	**10**	**01**		**11**	**18%**
4.1	स्वनिमिक स्तर	02				
4.2	कोशीय स्तर	02				
4.3	वाक्यात्मक स्तर	02				
4.4	पाठगत स्तर	02				
4.5	अर्थगत स्तर	02				
मॉड्यूल-5	**शैलीवैज्ञानिक अध्ययन के भेद**	**04**	**01**	**02**	**07**	**12%**
5.1	भाषावैज्ञानिक शैलीविज्ञान	01				
5.2	साहित्यिक शैलीविज्ञान	02				
5.3	संरचनात्मक शैलीविज्ञान	01				
मॉड्यूल-6	**शैली-विश्लेषण और भारतीय काव्यभशास्त्र**	**04**	**01**	**02**	**07**	**12%**
6.1	रीति	01				
6.2	अलंकार	01				
6.3	वक्रोक्ति	01				
6.4	ध्वनि	01				
योग		**40**	**10**	**10**	**60**	**100%**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान (Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केंद्रित
विधियाँ	व्याख्यान, कक्षाध्यापन पर चर्चा, अभ्यास, विद्यार्थियों के बीच वार्ता और अंतरक्रिया
तकनीक	कक्षाध्यापन, ऑनलाइन शिक्षण,तकनीकी प्लेटफॉर्म से सामग्री उपलब्ध कराना, व्याख्या, प्रत्यक्ष अभ्यास, प्रयोगशाला में अभ्यास, होमवर्क, ट्यूटोरियल,
उपादान	प्रत्यक्ष कक्षा, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म (जैसे- गूगल मीट) , मूडल, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, अन्य उपलब्ध ऑनलाइन संसाधन

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓						

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning) :

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा 75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	

निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• कुमार, सुरेश. (2001) . शैलीविज्ञान, नयी दिल्ली : वाणी प्रकाशन. • तिवारी, भोलानाथ. (2011) . शैलीविज्ञान, दिल्ली : किताबघर प्रकाशन. • मिश्र, विद्यानिवास. (1973) . रीतिविज्ञान, दिल्ली : राधाकृष्ण प्रकाशन. • शीतांशु, पाण्डेसय शशिभूषण. (1995) . शैली और शैलीविश्लेषण, नयी दिल्ली : वाणी प्रकाशन. • श्रीवास्तव, रवींद्रनाथ. (1979) . संरचनात्मिक शैलीविज्ञान. दिल्लीर : आलेख प्रकाशन.
2	संदर्भ-ग्रंथ	• Chapman, R. (1973) Linguistics and Literature : An Introduction to Literary Stylistics. Littlefield, Adams. • Bradford, R. (1997) .Stylistics. London: Routledge • Turner, G.W. (1973) .Stylistics. London: Penguin.
3	ई-संसाधन	मूडल, वेबसाइट, ब्लॉग़, आई.सी.टी. आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी. पाठशाला एवं यूट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान आदि।
4	अन्य	

****

सेमेस्टर- III

****

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशल विकास गतिविधियाँ	10
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

1. पाठ्यचर्या का नाम- समाज भाषाविज्ञान
2. पाठ्यचर्या का कोड – MALG- S3C1
3. क्रेडिट (Credit) - 04
4. सेमेस्टर (Semester) - III
5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

समाजभाषाविज्ञान की अवधारणा एवं प्रकृति मॉड्यूल में भाषा और समाज के पारस्पारिक संबंधों के साथ व्यक्तिबोली, मानकभाषा आदि को स्पष्ट किया गया है। इसके अलावा समाज में भाषा की विविधता को भी यहाँ सम्मिलित किया गया है।

'भाषा संपर्क' मॉड्यूल में कोड मिश्रण, कोड परिवर्तन, पिजिन, क्रियोल द्विभाषिकता और बहुभाषिकता आदि को दिया गया है। इसमें शिक्षा, प्रौद्योगिकी आदि से संबंधित नीतियों को लिया है 'भाषा नीति और नियोजन' मॉड्यूल में नीति निर्धारण और भाषा से संबंधित नियोजनों को दिया गया है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes-CLOS)

1. समाजभाषाविज्ञान की अवधारणा एवं प्रकृति, मॉड्यूल के अध्ययन से विद्यार्थी समाज में प्रचलितभाषिक विविधता और उसके लिए जिम्मेदार सामाजिक कारको को आत्मसात कर पाएँगे।
2. भाषा संपर्क, मॉड्यूल का अध्ययन करने से संपर्क के कारण भाषा में होने वाले परिवर्तन (ध्वनि, रूप, वाक्य और अर्थ स्तर) को विद्यार्थीआयु, लिंग, शिक्षा, सामाजिक वर्ग, धर्म, जाति आदि सामाजिक कारक भाषा को किस प्रकार प्रभावित करते हैं, यह जन पाएँगे।
3. भाषा नीति और नियोजन, मॉड्यूल का अध्ययन करने से विद्यार्थियों में भाषा से संबंधित नीतियों और नियोजनों की जानकारी विकसित होगी।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या एवं नाम	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**भाषा और समाज का अन्तःसंबंध**	**08**	**02**	**02**	**12**	**20%**
1.1	समाजभाषाविज्ञान का स्वरूप	**2**				
1.1	सामाजिक वस्तु के रूप में भाषा	1				
1.3	भाषा को प्रभावित करने वाले सामाजिक तत्व	03				
1.4	भाषा और बोली	02				
मॉड्यूल-2	**भाषा का समाजशास्त्र**	**10**	**02**	**02**	**14**	**23%**
2.1	भाषा निष्ठा	**1**				

2.2	भाषा संरक्षण	1				
2.3	भाषा विस्थापन, भाषा मृत्यु	1				
2.4	संकटापन्न भाषाएँ	1				
मॉड्यूल-3	**भाषा संपर्क**	10	02	02	14	22%
3.1	कोड मिश्रण और कोड परिवर्तन	1				
3.2	पिजिन क्रियोल, पिजिन-क्रियोल	02				
3.3	भाषा द्वैत	1				
3.4	द्विभाषिकता और बहुभाषिकता	1				
3.5	बहुभाषिकता और उसके विभिन्न आयाम	02				
मॉड्यूल-4	**समाजभाषाविज्ञान**	08	02	02	12	20%
4.1	भाषा प्रभुत्त्व	1				
4.2	भाषा नियोजन	1				
4.3	भाषा व्यवहार और मानकीकरण	1				
4.4	हिंदी और मानकीकरण के विविध संदर्भ	1				
4.5	हिंदी भाषा और राष्ट्रिय एकीकरण	1				
मॉड्यूल-5	**भाषा और वैश्वीकरण**	04	02	02	08	14%
5.1	वैश्वीकरण की अवधारणा	1				
5.2	वैश्वीकरण का भाषा पर प्रभाव	1				
5.3	वैश्वीकरण के दौर में हिंदी	1				
योग		40	10	10	60	100%

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान (Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केंद्रित
विधियाँ	व्याख्यान, कक्षाध्यापन पर चर्चा, अभ्यास, विद्यार्थियों के बीच वार्ता और अंतरक्रिया
तकनीक	कक्षाध्यापन, ऑनलाइन शिक्षण,तकनीकी प्लेटफॉर्म से सामग्री उपलब्ध कराना, व्याख्या, प्रत्यक्ष अभ्यास, प्रयोगशाला में अभ्यास, होमवर्क, ट्यूटोरियल,
उपादान	प्रत्यक्ष कक्षा, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म (जैसे- गूगल मीट) , मूडल, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, अन्य उपलब्ध ऑनलाइन संसाधन

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix) :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓		✓				

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning) :

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन(25%)					सत्रांत परीक्षा 75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30**%**	50**%**	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. Hudson, R.A. (1996). **Sociolinguistics**. Cambridge university press. 2. Wardhaugh, Ronald & M. Fuller, janet. (2014). **An Introduction to Sociolinguistics**. John Wiley & sons, Inc
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. Van Herk, Gerand. (2012). **what is sociolinguistics?** A john wiley&sond, Ltd, Publication 2. Drager, Katie. (2018). **Experimental Research Methods in Sociolinguistics**. An imprint of Bloomsbury publishing plc 3. Friginal, Eric & Hardy, Jack. (2013). **Corpus-Based Sociolinguistics: A Guide for Students.** Simultaneously publication. 4. Kristiansen, Gitte & Dirven, Rene. (2008). **Cognitive Sociolinguistics: Language Variation, Cultural models, Social Systems**. Library of Congress Cataloging-in-publication Data 5. Milroy, Lesley & Gordon, Matthew. (2008). **Sociolinguistics: Method and Interpretation**. Blackwell publishing. 6. Trudgill, Peter. (1995). **Sociolinguistics: An Introduction to language and Society**. Penguin Publishing Group.
3	ई-संसाधन	मूडल, वेबसाइट, ब्लॉग़, आई.सी.टी. आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी. पाठशाला एवं यूट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्यख्यान आदि।
4	अन्य	

****

1. पाठ्यचर्या का नाम- मनोभाषाविज्ञान और संज्ञानात्मक भाषाविज्ञान

(Psycholinguistics& Cognitive Linguistics)

2. पाठ्यचर्या का कोड – MALG- S3C2

3. क्रेडिट (Credit) - 04

4. सेमेस्टर (Semester) - III

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशल विकास गतिविधियाँ	10
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

इस पाठ्यचर्या में भाषाविज्ञान एवं मनोविज्ञान के अंतःसंबंधों को सम्मिलित किया गया है। भाषा अर्जन एवं अधिगम की प्रक्रिया को बताया गया है। इसके अलावा मानव मस्तिष्क में भाषा बोधन की प्रक्रिया और भाषायी व्याघात को सम्मिलित किया गया है। अंतिम मॉड्यूल मेंसंज्ञानात्मक भाषाविज्ञान के विविध पक्षों का समावेश किया गया है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes-CLOS)

इस पाठ्यचर्या के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी निम्नलिखित बिंदुओं को गहराई से जान सकेंगे:

1. भाषाविज्ञान एवं मनोभाषाविज्ञान का अन्तःसंबंध
2. मानव शिशु की भाषाविकास प्रक्रिया
3. मावन मस्तिष्क और भाषा बोधन तथा भाषा अधिगम
4. संज्ञानात्मक भाषाविज्ञान

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या एवं नाम	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला ..		
मॉड्यूल-1	**मनोभाषाविज्ञान**	**10**	**02**	**02**	**14**	**23%**
1.1	भाषा और मन	04				
1.2	मनोभाषाविज्ञान क्या है?	03				
1.3	मनोभाषाविज्ञान का संक्षिप्त इतिहास	03				
मॉड्यूल-2	**वाक् उत्पादन एवं वाक् बोधन**	**06**	**02**	**02**	**10**	**16%**
2.1	वाक् उत्पादन (Speech Production)	02				
2.2	वाक् बोधन (Speech Comprehension)	02				
2.3	वाक् अभिज्ञता (Speech Perception)	02				
मॉड्यूल-3	**भाषा अर्जन एवं भाषा अधिगम प्रक्रिया**	**12**	**02**	**02**	**16**	**27%**
3.1	भाषा अर्जन	01				
3.2	भाषा अर्जन की प्रक्रिया (बालभाषा का विकास और बालभाषा के अंग)	01				
3.3	क्रिटिकल अवधि	01				
3.4	भाषा अर्जन के प्रमुख सिद्धांत	01				
3.5	भाषा के औपचारिक पक्षों का अर्जन (मानसिक शब्दकोश, वाक्य रचना, अर्थ और प्रोक्ति)	02				

3.6	आर्थी संबंधों का अर्जन (पर्यायता, विलोमता, कार्य-कारण संबंध, आर्थी वर्ग)	02				
3.7	संवेदना, स्मृति और कल्पना तथा इनकी भाषा अर्जन में भूमिका	01				
3.8	भाषा और विचार	01				
3.9	भाषा अर्जन और भाषा अधिगम	01				
3.10	मातृभाषा अधिगम और द्वितीय/अन्य भाषा अधिगम	01				
मॉड्यूल-4	**भाषायी व्याघात**	**06**	**02**	**02**	**10**	**17%**
4.1	वाचाघात (अफेजिया)	01				
4.2	अपठन (डीसलेक्सिया)	01				
4.3	हकलाहट	01				
4.4	श्रवणबाधित व्यक्ति और भाषा	01				
4.5	मानसिक रूप से मंद व्यक्ति और भाषा	01				
मॉड्यूल-5	**संज्ञानात्मक भाषाविज्ञान**	**07**	**02**	**02**	**10**	**17%**
5.1	संज्ञान क्या है?	01				
5.2	संज्ञान और संज्ञानात्मक भाषाविज्ञान	02				
5.3	संज्ञान और भाषा (भाषा अर्जन, भाषा अधिगम, भाषा बोधन और भाषा उत्पादन में संज्ञान की भूमिका)	02				
5.4	संज्ञानात्मक व्याकरण (Cognitive Grammar)	01				
5.5	संज्ञानात्मक भाषाविज्ञान और अर्थविज्ञान	01				
योग		**40**	**10**	**10**	**60**	**100%**

मॉड्यूल संख्या एवं नाम	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल** (यदि अपेक्षित हैं)	**संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला ..**		
मॉड्यूल-1	**संज्ञान क्या है?**	**06**	**02**	**02**	**10**	**17%**
1.1	संज्ञान का स्वरूप	01				
1.2	संज्ञानात्मक विज्ञान (Cognitive Science)	01				
1.3	संज्ञान और भाषा (भाषा अर्जन, भाषा अधिगम, भाषा बोधन और भाषा उत्पादन तथा संज्ञान)	02				
1.4	संज्ञान और मन	02				
मॉड्यूल-2	**संज्ञानात्मक भाषाविज्ञान**	**06**	**02**	**02**	**10**	**17%**
2.1	संज्ञानात्मक भाषाविज्ञान : परिचय	02				
2.2	संज्ञानात्मक भाषाविज्ञान की विषयवस्तु	02				
2.3	संज्ञानात्मक भाषाविज्ञान का विकास	02				
मॉड्यूल-3	**संज्ञानात्मक भाषाविज्ञान के संदर्भ में भाषा**	**10**	**02**	**02**	**14**	**23%**

	और व्याकरण					
3.1	भाषा व्यवहार का संज्ञानात्मक पक्ष	02				
3.2	भाषा अर्जन और संज्ञान	01				
3.3	व्याकरण के संज्ञानात्मक अभिगम (Cognitive Approaches to Grammar)	02				
3.4	संज्ञानात्मक व्याकरण (Cognitive Grammar)	02				
3.5	रचना व्याकरण (Construction Grammar)	02				
3.6	शब्द व्याकरण (Word Grammar)	01				
मॉड्यूल-4	**संज्ञानात्मक भाषाविज्ञान और अर्थविज्ञान**	**10**	**02**	**02**	**14**	**23%**
4.1	संज्ञान और अर्थ	03				
4.2	आर्थी निरूपण के संज्ञानात्मक सिद्धांत • वर्गात्मक प्रस्तुति (Categorical Representation) • 'रूपक' (metaphor) और 'रूपकीकरण' (metonymy) • अवधारणात्मक (Idealized Cognitive Model) • साँचापरक अर्थविज्ञान (Frame semantics)	03				
4.3	अर्थ रचना और मानसिक जगत (Meaning construction and mental spaces)	02				
4.4	सत्य-स्थितिपरक अर्थविज्ञान (Truth-conditional semantics)	02				
मॉड्यूल-5	**संज्ञानात्मक भाषाविज्ञान और भाषाविज्ञान की अन्य शाखाएँ**	**08**	**02**	**02**	**12**	**20%**
5.1	संज्ञानात्मक भाषाविज्ञान और मनोभाषाविज्ञान	02				
5.2	संज्ञानात्मक भाषाविज्ञान और प्रोक्ति विश्लेषण	02				
5.3	संज्ञानात्मक भाषाविज्ञान और प्रकरणार्थविज्ञान	02				
5.4	संज्ञानात्मक भाषाविज्ञान और प्रकार्यात्मक भाषाविज्ञान	02				
योग		**40**	**10**	**10**	**60**	**100%**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान (Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केंद्रित
विधियाँ	व्याख्यान, कक्षाध्यापन पर चर्चा, अभ्यास, विद्यार्थियों के बीच वार्ता और अंतरक्रिया
तकनीक	कक्षाध्यापन, ऑनलाइन शिक्षण,तकनीकी प्लेटफॉर्म से सामग्री उपलब्ध कराना, व्याख्या, प्रत्यक्ष अभ्यास, प्रयोगशाला में अभ्यास, होमवर्क, ट्यूटोरियल,
उपादान	प्रत्यक्ष कक्षा, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म (जैसे- गूगल मीट) , मूडल, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, अन्य उपलब्ध ऑनलाइन संसाधन

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix) :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓						

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning) :

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन(25%)	**सत्रांत परीक्षा 75%)**

घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30**%**	50**%**	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. Cowles, H.Wind (2010) **Psycholinguistics 101**. Springer Publishing Company 2. Menn, Lise (2015) **Psycholinguistics: Introduction And Application**. Plural Publishing
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. A. Harley, Trevor. (2013). **The Psychology Of Language: From Data To Theory**. Psychology Press 2. Altarriba, Jeanette&Isurin, Ludmila (2012) **Memory, Language And Bilingualism: Theoretical And Applied Approaches.** Cambridge University Press 3. A. Sekerina, Irina& M. Fernandez, Eva &Clahsen, Harald. (2008) **Developmental Psycholinguistics: On-Line Methods In Children's Language Processing.** John Benjamins Publishing Company. 4. J.M. Levelt, Willem. (2012) **A History Of Psycholinguistics: The Pre-Chomskyan Era**: Oxford University Press 5. W. Eysenck, Michael & T. Keane, Mark. (2020) **Cognitive Psychology: A Student's Handbook.** Psychology Press
3	ई-संसाधन	मूडल, वेबसाइट, ब्लॉग़, आई.सी.टी. आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी. पाठशाला एवं यूट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्यख्यान आदि।
4	अन्य	

****

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशल विकास गतिविधियाँ	10
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

1. पाठ्यचर्या का नाम- आधुनिक भाषावैज्ञानिक सिद्धांत (ModernLinguisticTheories)

2. पाठ्यचर्या का कोड – MALG- S3C3

3. क्रेडिट (Credit) - 04

4. सेमेस्टर (Semester) - III

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

पश्चिम में आधुनिक भाषाविज्ञान का उदय एफ.डी. सस्यूर के उन विचारों से माना जाता है, जिनमें उन्होंने ऐतिहासिक भाषाविज्ञान की जगह वर्णनात्मक भाषाविज्ञान (या एककालिक भाषाविज्ञान) के अध्ययन को भाषाविज्ञान की मूल विषयवस्तु के रूप में बताया। इसके पश्चात वर्णनात्मक भाषाविज्ञान अथवासंरचनात्मक भाषाविज्ञान , प्रकार्यात्मक भाषाविज्ञान और अन्य व्याकरणों का विकास हुआ। इसके पश्चात नोएम चॉम्स्की द्वारा भाषा विश्लेषण संबंधी क्रांतिकारी विचार दिए गए, जोप्रजनक व्याकरण (या प्रजनक भाषाविज्ञान) के रूप में धीरे-धीरे विकसित हुए हैं। नोएम चॉम्स्कीद्वाराप्रजनक व्याकरण प्रस्तावित करने के बादअनेक व्याकरण (या व्याकरणिक मॉडल) विकसित हुए हैं, जिनमें से शब्दकोशीय प्रकार्यात्मक व्याकरण (LFG) ,सामान्यीकृत पदबंध संरचना व्याकरण (GPSG) , शीर्ष संचालित पदबंध संरचना व्याषकरण (HDPSG) ,कारक व्याकरण (Case Grammar) ,निर्भरता व्याकरण (Dependency Grammar) ,वृक्ष संघटन व्याकरण (Tree Adjoining Grammar) आदि प्रमुख हैं। प्रस्तुत पाठ्यचर्या में इन सभी का समावेश किया गया है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes-CLOS)

- एफ.डी. सस्यूर द्वारा प्रतिपादित भाषा संबंधी प्रमुख अवधारणाओं का ज्ञान होना।
- आधुनिक भाषाविज्ञान के प्रमुख संप्रदायों का परिचय होना।
- नोएम चॉम्स्कीद्वारा प्रस्तावित प्रजनक व्याकरण और इसके विभिन्न सोपानों की समझ विकसित होना।
- नोएम चॉम्स्कीके 'प्रजनक व्याकरण' के बाद विकसित प्रमुख व्याकरणों (या व्याकरणिक मॉडलों) का परिचय होना।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**सस्यूर और आधुनिक भाषाविज्ञान का उदय**	**05**	**01**	**02**	**08**	**14%**
1.1	सस्यूर : परिचय एवं पश्चिमी भाषाविज्ञान की पृष्ठभूमि	01				
1.2	संकेत, संकेतक, संकेतित, उपादान और रूप	02				
1.1	भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार, एककालिक और कालक्रमिक अध्ययन	01				
1.2	विन्यासकम्री और सहचारक्रमी संबंध	01				

मॉड्यूल-2	**आधुनिक भाषाविज्ञान के प्रमुख संप्रदाय**	**08**	**02**	**02**	**12**	**20%**
2.1	संरचनावाद	02				
2.2	प्राग संप्रदाय	02				
2.3	कोपेनहैगेन संप्रदाय	01				
2.4	प्रकार्यात्मक भाषाविज्ञान	01				
2.5	व्यवस्थापरकप्रकार्यात्मक व्याकरण	01				
2.6	स्तरपरक व्याकरण	01				
मॉड्यूल-3	**चॉम्स्की और रूपांतरक प्रजनक व्याकरण**	**06**	**03**	**01**	**10**	**17%**
3.1	नोएम चॉम्स्की : एक परिचय	01				
3.2	रूपांतरक प्रजनक व्याकरण की पृष्ठभूमि (संरचनावाद को चुनौती)	01				
3.3	रूपांतरक प्रजनक व्याकरण की महत्वपूर्ण संकल्पनाएँ-01 (भाषा, व्याकरण, नियम)	01				
3.4	रूपांतरक प्रजनक व्याकरण की महत्वपूर्ण संकल्पनाएँ-02 (आंतरिक संरचना और बाह्य संरचना, प्रजनकता, रूपांतरण)	02				
3.5	रूपांतरक प्रजनक व्याकरण की महत्वपूर्ण संकल्पनाएँ-03 (भाषिक सृजनशीलता (Linguistic Creativity) , सार्वभौमता का सिद्धांत (Theory of Universalism))	01				
मॉड्यूल-4	**रूपांतरक प्रजनक व्याकरण के विभिन्न चरण**	**06**	**01**	**02**	**09**	**15%**
4.1	क्लासिकी सिद्धांत &1957 (Classic Theory)	02				
4.2	मानक सिद्धांत & 1965 (Standard Theory)	01				
4.3	विस्तारित मानक सिद्धांत (Extended Standard Theory)	01				
4.4	अनुशासन अनुबंध व्याकरण (Government and Binding Grammar)	01				
4.5	न्यूनतमवादी कार्यक्रम (Minimalist Programme)	01				
मॉड्यूल-5	**कोशीय प्रकार्यात्मक व्याकरण (LFG)**	**03**	**01**	**01**	**05**	**09%**
5.1	कोशीय प्रकार्यात्मक व्याकरण (LFG) : एक परिचय	**01**				
5.2	कोशीय प्रकार्यात्मक व्याकरण (LFG) की प्रमुख संकल्पनाएँ (सी.संरचना, एफ. संरचना, एफ संरचना पर सुनिर्मितता शर्तें	**02**				

	आदि)					
मॉड्यूल-6	**सामान्यीकृत पदबंध संरचना व्याकरण (GPSG)**	**02**			**02**	**03%**
मॉड्यूल-7	**शीर्ष संचालित पदबंध संरचना व्याकरण (HDPSG)**	**02**			**02**	**03%**
मॉड्यूल-8	**कारक व्याकरण (Case Grammar)**	**03**	**01**	**01**	**05**	**08%**
मॉड्यूल-9	**निर्भरता व्याकरण (Dependency Grammar)**	**02**			**02**	**03%**
मॉड्यूल-10	**वृक्ष संलग्नक व्याकरण (Tree Adjoining Grammar)**	**03**	**01**	**01**	**05**	**08%**
योग		**40**	**10**	**10**	**60**	**100%**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान (Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केंद्रित
विधियाँ	व्याख्यान, कक्षाध्यापन पर चर्चा, अभ्यास, विद्यार्थियों के बीच वार्ता और अंतरक्रिया
तकनीक	कक्षाध्यापन, ऑनलाइन शिक्षण,तकनीकी प्लेटफॉर्म से सामग्री उपलब्ध कराना, व्याख्या, प्रत्यक्ष अभ्यास, प्रयोगशाला में अभ्यास, होमवर्क, ट्यूटोरियल,
उपादान	प्रत्यक्ष कक्षा, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म (जैसे- गूगल मीट) , मूडल, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, अन्य उपलब्ध ऑनलाइन संसाधन

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix) :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	✓				

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning) :

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा 75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	**30%**	**50%**	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• तिवारी, भोलानाथ (1993) . आधुनिक भाषाविज्ञान. नई दिल्ली : लिपि प्रकाशन। • नगेंद्र (2002) . भाषाशास्त्र के सूत्रधार. नोएडा : मयूर पेपरबक्स। • प्रसाद, धनजी (2016) . भाषा विश्लेषण और संबंधपरक व्याकरण. (पृ. 05-11) 'भाषा, अनुवाद

		और प्रौद्योगिकी', संपादक- मेघा आचार्य, शिल्पा, मुंबई: ट्रांसफ्रेम क्रिएशन। • ---- ---- (2016) .यू.जी.सी.–एम.एच.आर.डी. द्वारा प्रायोजित ई.पी.जी.-पाठशाला के अंतर्गत इकाइयाँ- रचनांतरणपरक प्रजनक व्याकरण के विविध सोपान, प्रमुख आधुनिक परवर्ती व्याकरण। • Bloch, B. & Trager, G.L. (1942) . Outline of Linguistic Analysis. Baltimore. • Dybkjaer, Laila &Hemsen, Holmer&Minker, Wolbgang (2007) . Evolution of Text and Speech Systems (Text, Speech and Language Series) .Netherlands : Springer.
2	संदर्भ-ग्रंथ	• द्विवेदी, कपिलदेव (2005) . भाषा-विज्ञान एवं भाषा-शास्त्र. वाराणसी : विश्वविद्यालय प्रकाशन। • नारंग, वैश्वा (1996) . सामान्य भाषाविज्ञान. नई दिल्ली : क्षितिज प्रकाशन। • रस्तोगी, डॉ. कविता (2000) . समसामयिक भाषविज्ञान. सुलभ प्रकाशन, लखनऊ। • शर्मा, देवेंद्रनाथ (2001) . भाषाविज्ञान की भूमिका. राधाकृष्ण प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली। • Allen, J.P. and Buren, P.V. (eds.) (1971) .Chomsky : selected readings,. London : Oxford University Press. • Chomsky, Noam (1957) . Syntactic Structures. The Hague: Mouton. • --- ---- (1962) . 'Phonology in generative grammar'. in Word. • --- ---- (1965) . Aspects of the Theory of Syntax. Cambridge: The MIT Press. • --- ---- (1968) . with Morris Halle. Sound Pattern of English. New York: Harper and Row. • --- ---- (1968) . Language and Mind. New York: Harcourt Brace & World, Inc. • --- --- (1970) . Remarks on Nominalization." In Readings in English Transformational Grammar, edited by R. Jacobs and P. Rosenbaum, 184-221. Waltham, Massachusetts: Blaisdell Publishing. • Asudeh, Ash &Toivonen, Ida (2009) . Lexical-Functional Grammar. The Oxford Handbook of Linguistic Analysis. Oxford: Oxford University Press. • Bresnan, Joan (2001) . Lexical-Functional Syntax. Blackwell. • Bresnan, Joan (ed.) (1982) . The Mental Representation of Grammatical Relations. MIT Press, Cambridge, Massachusetts. • Bresnan Joan &Kanerva, J. M. (1989) . Locative Inversion in Chichewa: A Case Study of Factorization in Grammar. In: LIn 20.1: 1-50. • Green, Georgia M. (1985) . The Description of Inversions in Generalized Phrase Structure Grammar. In Proceedings of the Eleventh Annual Meeting of the Berkeley Linguistics Society. pp. 117-145 • Ramsay, Allan (1985) . Effective Parsing With Generalised Phrase Structure Grammar. (स्रोत- https://www.aclweb.org/anthology/E85-1008) . • Ristad, Eric Sven. (1989) . Computational Structure of GPSG Models: Revised GPSG. MIT Artificial Intelligence Lab. • Haque, Nafid (2006) . Design of Head-Driven Phrase Structure Grammar for Bangla. BRAC University, Dhaka, Bangladesh. • Levine, Robert D. &Meurers, W. Detmar (2006) . Head-Driven Phrase Structure Grammar: Linguistic Approach, Formal Foundations, and Computational Realization. In: Encyclopedia of Language and Linguistics. Keith Brown (ed.) .

		Oxford: Elsevier. • Debusmann, Ralph (2000) . An Introduction to Dependency Grammar. Universitat des Saarlandes. • Hays, D. (1964) . Dependency theory: A formalism and some observations. Language, 40: 511-525. Reprinted in Syntactic Theory 1, Structuralist, edited by Fred W. Householder. Penguin, 1972. • Hudson, R.A. (1984) . Word grammar (1. publ. ed.) . Oxford, OX, England: B. Blackwell. • ---- ---- (1990) . English Word Grammar, B. Blackwell, Oxford/UK. • Liu, H. (2009) . Dependency Grammar: from Theory to Practice. Beijing: Science Press. • Grammar for English. Department of Computer & Information Science Technical Reports (CIS) , University of Pennsylvania. • Joshi, Aravind & Owen Rambow (2003) . A Formalism for Dependency Grammar Based on Tree Adjoining Grammar. Proceedings of the Conference on Meaning-Text Theory. • Jurafsky, Daniel & Martin, James H. (2000) . Speech and Language Processing. Upper Saddle River, NJ: Prentice Hall. p. 354. • Shanker, K. Vijay & Joshi, Aravind K. (1991) . Unification-Based Tree Adjoining Grammars. Department of Computer & Information Science Technical Reports (CIS) , University of Pennsylvania. • The XTAG Research Group, A Lexicalized Tree Adjoining Grammar for English (http://www.cis.upenn.edu/~xtag/tech-report/) • Walter Anthony Cook (1989) . Case Grammar Theory. Georgetown University Press. • Fillmore, Charles J. (1968) . The Case for Case. In Bach and Harms (ed.) : Universals in Linguistic Theory. New York: Holt, Rinehart, and Winston, 1-88. • • Fillmore, Charles J. (1970) . Improvements in Case Grammar. In : Language and Linguistic Working Papers (ed.) W. A. Cook. Washington : Georgetown University Press.
3	ई-संसाधन	मूडल, वेबसाइट, ब्लॉग़, आई.सी.टी. आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी. पाठशाला एवं यूट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान आदि।
4	अन्य	

****

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**40**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशल विकास गतिविधियाँ	**10**
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

1. पाठ्यचर्या का नाम- भारतीय भाषा चिंतन
(Indian Linguistic Thought)
2. पाठ्यचर्या का कोड – MALG-S3O1
3. क्रेडिट (Credit) - 04
4. सेमेस्टर (Semester) - III
5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

प्राचीन काल से भारतीय मनीषियों एवं आचार्यों के द्वारा भाषा के विविध पक्षों पर सूक्ष्म और वैज्ञानिक दृष्टि से चिंतनकिया गया है। यह पाठ्यचर्या भारतीय भाषिक चिंतन के मूलभूत अवधारणाओं का परिचय कराती है। इसके अंतर्गत भारतीय भाषा चिंतन के स्वरूप की चर्चा करते हुए भाषा की प्राचीन भारतीय परंपरा के बारे में बताया गया है। इसमें स्पष्ट किया गया है कि किस प्रकार से भारत में भाषा चिंतन की अनेक धाराएँ प्रचलित थीं और उनमें भाषा संबंधी किन-किन पक्षों पर एवं किन-किन रूपों पर चर्चा की गई है, जिससे विद्यार्थी को इसका स्पष्ट बोध हो सके।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes-CLOS)

- भारतीय भाषिक चिंतन का ज्ञान होना।
- भाषायी चिंतन की समृद्ध भारतीय परंपरा का परिचय होना।
- भारतीय वैयाकरणों का भाषिक योगदान एवं उनके भाषायी चिंतन का ज्ञान होना।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	संवाद / प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**वैदिक भाषा चिंतन**	**06**	**02**	**02**	**10**	**17%**
1.1	वेदचतुष्टय परिचय	01				
1.2	वाक् तत्त्व ,वाक् सूक्त ,वाक् विभाजन ,अक्षर तत्त्व	01				
1.3	भाषा की उत्पत्ति,व्याकरण का आरम्भ, वाणी के भेद	01				
1.4	मनस् तत्त्व एवं वाक् तत्त्व सम्बन्ध	01				
1.5	पद महत्व , पद विभाजन , वैदिक पाठ	02				
मॉड्यूल-2	**ब्राह्मण ,आरण्यक एवं उपनिषदों में भाषिक चिंतन**	**05**	**01**	**02**	**08**	**13%**
2.1	ब्राह्मण,आरण्यक,एवं उपनिषद् परिचय	01				
2.2	पारिभाषिक शब्द (धातु,प्रातिपदिक,आख्यात,लिंग,वचन इत्यादि)	02				
2.3	निर्वचन तत्त्व	01				
2.4	वर्णोच्चारण विचार	01				
मॉड्यूल-3	**शिक्षा एवं प्रातिशाख्य में भाषिक चिंतन**	**05**	**02**	**01**	**08**	**13%**
3.1	वेदाङ्ग परिचय	01				
3.2	शिक्षा एवं प्रातिशाख्य: लक्षण एवं उद्देश्य शिक्षा ग्रन्थ परिचय प्रातिशाख्य ग्रन्थ परिचय	02				

3.3	शिक्षा के षडंग: वर्ण,स्वर,मात्रा,बल,साम और संतान	02				
मॉड्यूल-4	**निरुक्त में भाषिक चिंतन**	**05**	**01**	**01**	**07**	**12%**
4.1	निघण्टु का स्वरूप	01				
4.2	यास्कस्मृत एवं तत् पूर्व निर्वचनकार निरुक्त स्वरूप एवं निर्वचन पद्धति पदचतुष्टय सिद्धांत, निरुक्त के भाष्यकार	04				
मॉड्यूल-5	**व्याकरण में भाषिक चिंतन**	**10**	**02**	**02**	**14**	**23%**
5.1	व्याकरण परिचय व्याकरण शास्त्र के विभिन्न सम्प्रदाय नवविध व्याकरण	01				
5.2	पाणिनि स्मृत एवं तत् पूर्व वैयाकरण आचार्य पाणिनि पाणिनीय पंचोपदेश परिचय अष्टाध्यायी,धातुपाठ, गणपाठ,लिंगानुशासन,उणादिकोष	03				
5.3	सूत्र लक्षण ,सूत्र प्रकार, अनुवृत्ति ,असिद्धत्व विचार	03				
5.4	आचार्य वररुचि, वार्तिक लक्षण ,वार्तिक वैशिष्ट्य ,अन्य वार्तिककार	01				
5.5	भाष्य लक्षण ,आचार्य पतंजलि ,महाभाष्य का स्वरूप तथा महत्व , शब्द लक्षण ,व्याकरण प्रयोजन ,शब्दार्थ सम्बन्ध ,व्याकरण परिभाषा,	05				
5.6	आचार्य कैय्यट, महाभाष्य प्रदीप व्याख्या आचार्य भर्तृहरि,वाक्यपदीय का स्वरूप भर्तृहरि का भाषा एवं अर्थ चिंतन पुण्यराज और हेलाराज	05				
मॉड्यूल-6	**पाणिनि परवर्ती आचार्यों का भाषा चिंतन**	**09**	**02**	**02**	**13**	**22%**
6.1	अष्टाध्यायी क्रम परम्परा के आचार्य एवं उनकी कृति जयादित्य एवं वामन, (काशिका) पण्डित ब्रह्मदत्त जिज्ञासु, पण्डित युधिष्टिर मीमांसक (अष्टाध्यायी भाष्य प्रथमावृत्ति)	05				
6.2	सिद्धान्तकौमुदी परम्परा के आचार्य एवं उनकी कृति भट्टोजिदीक्षित एवं उनकी कृति नागेश भट्ट एवं उनकी कृति कौण्डभट्ट एवं उनकी कृति वरदराजाचार्य एवं उनकी कृति अन्य पाणिनि परवर्ती व्याकरण सम्प्रदाय तथा आचार्य	04				
योग		**40**	**10**	**10**	**60**	**100%**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान (Approaches, Methods, Technques and Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केंद्रित
विधियाँ	व्याख्यान, कक्षाध्यापन पर चर्चा, अभ्यास, विद्यार्थियों के बीच वार्ता और अंतरक्रिया
तकनीक	कक्षाध्यापन, ऑनलाइन शिक्षण,तकनीकी प्लेटफॉर्म से सामग्री उपलब्ध कराना, व्याख्या, प्रत्यक्ष अभ्यास, प्रयोगशाला में अभ्यास, होमवर्क, ट्यूटोरियल,

उपादान	प्रत्यक्ष कक्षा, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म (जैसे- गूगल मीट) , मूडल, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, अन्य उपलब्ध ऑनलाइन संसाधन

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix) :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति			✓	✓				

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning) :

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा 75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण(APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• द्विवेदी, कपिलदेव (2005) . भाषा-विज्ञान एवं भाषा-शास्त्र. वाराणसी : विश्वविद्यालय प्रकाशन। • द्विवेदी, कपिलदेव (2008 द्वि.सं.) .अर्थ विज्ञान एवं व्याकरण दर्शन, वाराणसी : विश्वविद्यालय प्रकाशन। • पाठक जमुना (2010) . यास्काचार्यप्रणीतं निरुक्तम्. वाराणसी : चौखम्बा संस्कृत सीरीज ऑफिस। • मीमांसक, युधिष्ठिर (1994 प.सं.) . संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास ,सोनीपत : रामलाल कपूर ट्रस्ट। • चतुर्वेदी श्रीरामाधीन (2005) . संस्कृतभाषाविज्ञानम्,वाराणसी : चौखम्बा विद्या भवन। • व्यास भोलाशंकर (2013) संस्कृत का भाषाशास्त्रीय अध्ययन , वाराणसी : विश्वविद्यालय प्रकाशन।
2	संदर्भ-ग्रंथ	• शास्त्री, भीमसेन, लघुसिद्धान्तकौमुदी ,भैमी व्याख्या , भैमी प्रकाशन, दिल्ली • गोविन्दाचार्य,वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन , वाराणसी, 2010 • पतञ्जलि ,महाभाष्य, प्रदीप उद्योत सहित , सम्पा. आचार्य वेदव्रत , हरियाणा साहित्य संस्थान , झज्जर गुरुकुल , रोहतक , 1962-63 • शास्त्री , शिव नारायण ,महाभाष्य प्रदीप प्रकाश , परिमल प्रकाशन , दिल्ली , 1991
3	ई-संसाधन	• मूडल, वेबसाइट, ब्लॉग, आई.सी.टी. आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी. पाठशाला एवं यूट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान आदि। • https://bharatdiscovery.org/india/%E0%A4%B5%E0%A5%87%E0%A4%A6 • https://hi.wikipedia.org/wiki/निरुक्त • https://hi.unionpedia.org/i/%E0%A4%A8%E0%A4%BF%E0%A4%B0%E0%A5%81%E0%A4%95%E0%A5%8D%E0%A4%A4 • https://indianwisdomtradition.blogspot.com/2020/06/blog-post_5.html
4	अन्य	शोध आलेख,

****

1. पाठ्यचर्या का नाम- हिंदीभाषा की संरचना
(Structure of Hindi Language)
2. पाठ्यचर्या का कोड – MALG- S3O2
3. क्रेडिट (Credit) - 04
4. सेमेस्टर (Semester) - III
5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशल विकास गतिविधियाँ	10
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

हिंदी भाषा के स्वरूप और इसकी संरचना पर व्याकरणिक और भाषावैज्ञानिक दोनों ही दृष्टियों से विचार किया जा सकता है। प्रस्तुत पाठ्यचर्या विद्यार्थियों का भाषावैज्ञानिक दृष्टि से हिंदी भाषा की संरचनात्मक इकाइयों और उनके गठन का परिचय कराती है। इससे विविध भाषिक स्तरों पर हिंदी में प्राप्त होने वाली इकाइयों और उनके संरचक नियमों का ज्ञान प्राप्त हो सकेगा।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes-CLOS)

इस पाठ्यचर्या के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी स्वनिम, रूपिम, पदबंध, उपवाक्य, वाक्य, प्रोक्ति और अर्थ के स्तर पर हिंदी के संरचनात्मक स्वरूप से परिचित हो सकेगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या एवं नाम	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	संवाद / प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**भाषा और संरचना**	**06**	**01**	**01**	**08**	**13%**
1.1	भाषा क्या है?	01				
1.2	एक व्यवस्था के रूप में भाषा	01				
1.3	भाषा व्यवस्था और भाषा संरचना	02				
1.4	भाषा संरचना के स्तर	02				
मॉड्यूल-2	**हिंदी भाषा की ध्वनि संरचना**	**10**	**01**	**01**	**12**	**20%**
2.1	स्वर संरचना	04				
2.2	व्यंजन संरचना	04				
2.3	खंडेतर अभिलक्षण	02				
मॉड्यूल-3	**हिंदी भाषा की रूप संरचना**	**06**	**01**	**01**	**08**	**13%**
3.1	रूप, रूपिम और संरूप	02				
3.2	शब्द संरचना	02				
3.3	पद संरचना	02				
मॉड्यूल-4	**हिंदी भाषा की वाक्य संरचना**	**06**	**02**	**02**	**10**	**17%**
4.1	**पदबंध संरचना** संरचना की दृष्टि से वर्गीकरण प्रकार्य की दृष्टि से वर्गीकरण	**04** 02 02	**02**	**02**	**08**	**13%**
4.2	**उपवाक्य संरचना** मुख्य उपवाक्य, आश्रित उपवाक्य आश्रित उपवाक्य के प्रकार	**04** 02 02	**02**	**02**	**08**	**13%**

4.3	**वाक्य संरचना** वाक्य के तत्व (आकांक्षा, योग्यता, सन्निधि) संरचना की दृष्टि से वर्गीकरण प्रकार्य की दृष्टि से वर्गीकरण	**04** 01 02 01	**01**	**01**	**06**	**11%**
योग		**40**	**10**	**10**	**60**	**100%**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान (Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केंद्रित
विधियाँ	व्याख्यान, कक्षाध्यापन पर चर्चा, अभ्यास, विद्यार्थियों के बीच वार्ता और अंतरक्रिया
तकनीक	कक्षाध्यापन, ऑनलाइन शिक्षण,तकनीकी प्लेटफॉर्म से सामग्री उपलब्ध कराना, व्याख्या, प्रत्यक्ष अभ्यास, प्रयोगशाला में अभ्यास, होमवर्क, ट्यूटोरियल,
उपादान	प्रत्यक्ष कक्षा, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म (जैसे- गूगल मीट) , मूडल, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, अन्य उपलब्ध ऑनलाइन संसाधन

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix) :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	✓				

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning) :

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा 75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• तिवारी, भोलानाथ (2004) . **हिंदी भाषा की संरचना** नई दिल्ली. वाणी प्रकाशन। • सिंह, सूरजभान . (2000) . **हिंदी का वाक्यात्मक व्याकरण.** नई दिल्ली. साहित्य सहकार। • काचरू, यमुना. (2006) . Hindi. Amsterdam/Phildelphia : John Benjamins Publishing Company.
2	संदर्भ-ग्रंथ	• गुरु,कामताप्रसाद (2009) . **हिंदी व्याकरण.** नई दिल्ली. प्रकाशन संस्थान। • पाण्डेय, अनिल कुमार (2010) .**हिंदी संरचना के विविध पक्ष.** नई दिल्ली. प्रकाशन संस्थान। • मिश्रा, एम.के. (2008) .**अभिनव हिंदी व्याकरण.** नई दिल्ली. आत्माराम एंड सन्स। • द्विवेदी, कपिलदेवस (2002) .**भाषाविज्ञान और भाषाशास्त्र.** चौक वाराणसी. विश्वविद्यालय प्रकाशन। • पाण्डेय, कैलाश नाथ (2006) .**भाषाविज्ञान का रसायन.** गाजीपुर. गाजीपुर साहित्य संसद।

		• वाजपेयी, किशोरीदास. (1998) .**हिंदी शब्दानुशासन.** वाराणसी. नागरी प्रचारिणी सभा।
3	ई-संसाधन	• मूडल, वेबसाइट, ब्लॉग़, आई.सी.टी. आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी. पाठशाला एवं यूट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान आदि। • जगन्नाथन, वी. आर. (2016) **वाक्य की परिभाषा एवं स्वरूप.** ई.पी.जी. पाठशाला इकाई। (लिंक- http://epgp.inflibnet.ac.in/epgpdata/uploads/epgp_content/S000018HI/P001757/M023495/ET/1506595412HND_P5_M16_VaakyaKiParibhashaEvamSwaroop.pdf)
4	अन्य	

****

सेमेस्टर- IV

****

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशल विकास गतिविधियाँ	10
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

1. पाठ्यचर्या का नाम- ऐतिहासिक एवं तुलनात्मक भाषाविज्ञान

(Historical and Comparative Linguistics)

2. पाठ्यचर्या का कोड – MALG- S4C1

3. क्रेडिट (Credit) - 04

4. सेमेस्टर (Semester) - IV

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य ऐतिहासिक एवं तुलनात्मक भाषाविज्ञान का सामान्य परिचय स्पष्ट करते हुए विद्यार्थियों को हिंदी भाषा की ऐतिहासिक पक्ष और उसका उद्भव एवं विकास, भाषाविज्ञान के अध्ययन के रूप, भाषाओं का वर्गीकरण। तुलनात्मक अध्ययन की प्रक्रिया और तुलनात्मक भाषाविज्ञान की प्रविधि एवं उसका प्रयोजन। भाषाओं की तुलना, भाषिक पुनर्जिमाण, भाषायी व्याघात का पूर्वानुमान, भाषाओं के वैशिष्ट्य का निर्धारण भाषिक सामग्री का परिरक्षण,संकलित सामग्रीका विश्लेषण, और दो या दो से अधिक भाषाओं में समानता,एवं विषमता का परिचय कराना मात्र है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes-CLOS)

- विद्यार्थी ऐतिहासिक एवं तुलनात्मक भाषाविज्ञान के अध्ययन से, ऐतिहासिक भाषाविज्ञान का परिचय समकालिक, एवं कालक्रमिक दृष्टिकोण, भाषा का कालक्रमिक विकास, अध्ययन कर, तुलनात्मक अध्ययन में अपना योगदान दे सकेगा।
- विद्यार्थी ऐतिहासिक एवं तुलनात्मक भाषाविज्ञान के अध्ययन से, संकलित सामग्री का विश्लेरषण करने में दक्ष बनेगा। भाषा सर्वेक्षक भी बन पाएगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में) व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)	कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
मॉड्यूल-1	**वैचारिक पृष्ठभूमि और अध्ययन के स्रोत**	**10**	**02**	**02**	14	**23%**
1.1	ऐतिहासिक भाषाविज्ञान का परिचय	03				
1.2	समकालिक एवं कालक्रमिक दृष्टिकोण	03				
1.3	भाषा का कालक्रमिक विकास	02				
1.4	भाषा की परिवर्तनशीलता अध्ययन की विधि और स्रोत	02				
मॉड्यूल-2	**भाषा परिवर्तन की नियमितता और परिवर्तन के नियम**	**10**	**02**	**02**	**14**	**23%**
2.1	नव्य वैयाकरण	05				
2.1	ग्रिम एवं वर्नर के नियम	05				
मॉड्यूल-3	**भाषा परिवर्तन-कारण और प्रकार**	**08**	02	**02**	12	**20%**
3.1	ध्वनि परिवर्तन	02				
3.2	रूप परिवर्तन	02				

3.3	वाक्य परिवर्तन	02				
3.4	अर्थ परिवर्तन	02				
मॉड्यूल-4	**ऐतिहासिक भाषाविज्ञान की विशिष्ट विधियाँ एवं अध्ययन क्षेत्र**	**07**	**02**	**02**	11	**19%**
4.1	शब्द सांखिकी (Lexicostatistics)	02				
4.2	आंतरिक पुनर्रचना (Internal reconstruction)	02				
4.3	तुलनात्मक पुनर्रचना (Comparative Reconstruction)	02				
4.4	भाषा आदान	01				
मॉड्यूल-5	**तुलनात्मक भाषाविज्ञान और इसका भारतीय संदर्भ**	**05**	**02**	**02**	**09**	**15%**
योग		**40**	**10**	**10**	**60**	**100%**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान (Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली
विधियाँ	व्याख्यान विधि, विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि
तकनीक	आई.सी.टी.आधरित, शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई .पी. जी. पाठशाला, सहायक सामग्री का प्रयोग श्यामपट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस, आलेख, पत्रिका आलेख, फोटो प्रति आदि।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix) :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓					

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning) :

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन(25%)					**सत्रांत परीक्षा 75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन(80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	▪ गुणे, पी.डी. (1963) तुलनात्मक भाषाविज्ञान, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी, पटना, चतुर्थ संस्करण ▪ Gune, P.D-An introduction to Comparative Philology, Poona, (1918)
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. तिवारी, उदयनारायण (1983) भाषाविज्ञान का संक्षिप्त इतिहास, भारती भण्डार, इलाहाबाद, 2. गुरू, कामता प्रसाद (2014) हिंदी व्याकरण ना.प्र.स. वाजपेयी, किशोरीदास-हिंदी शब्दानुशासन, 3. ना.प्र.स. ग्रियसन- (1959) भारत का भाषा सर्वेक्षण, प्रकाशन शाखा, सूचना विभाग उ.प्र. शर्मा, 4. देवेन्द्रनाथ- (2001) भाषाविज्ञान की भूमिका, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

		5. Anttila,Raimo(1989). Historical and Comparative Linguistics. John Benjamins,) 6. Bynon, Theodora (1977). Historical Linguistics. Cambridge University Press. 7. Richard D. Janda and Brian D. Joseph (Eds)(2004). The Handbook of Historical Linguistics. Blackwell. 8. Roger Lass (1997). Historical linguistics and language change. Cambridge University Press.
3	ई-संसाधन	आई.सी.टी. आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी. पाठशाला एवं यूट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान आदि।
4	अन्य	

****

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	10
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

1. पाठ्यचर्या का नाम- कार्पस भाषाविज्ञान

2. पाठ्यचर्या का कोड – MALG-S4C2

3. क्रेडिट (Credit) - 04

4. सेमेस्टर (Semester) -IV

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

कार्पस भाषायी डाटा का वह विशाल प्रामाणिक संग्रह है, जिसके आधार पर मशीनी प्रणालियों में स्वचलित भाषा संसाधन संबंधी एल्गोरिद्म विकसित किए जाते हैं। अतः भाषाविज्ञान के अध्येताओं को इस संबंध में संक्षिप्त परिचय आवश्यक है। इसे ही ध्यान में रखते हुए प्रस्तुत पाठ्यचर्या का समावेश किया गया है। इसमें भाषा कार्पस की परिभाषा, कार्पस की विशेषता, भाषिक उपयोग से संबंधित कार्पस के प्रकारों को सम्मिलित किया गया है। इसके साथ ही कार्पस निर्माण प्रकिया को भी स्थान दिया गया है। इस क्रम में कार्पस की उपयोगिता, इसके उपयोगकर्ता, कार्पस आधारित सॉफ्टवेयर एवं कार्पस की सीमाओं का भी समावेश किया गया है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम

प्रस्तुत पाठ्यचर्या के अध्ययन के बाद विद्यार्थी:

1. विद्यार्थी कार्पस के स्वरूप एवं इसके इतिहास से परिचित होंगे।
2. विद्यार्थी कार्पस के प्रकारों को भलीभांति जान सकेंगे।
3. विद्यार्थी कार्पस निर्माण का कार्य एवं इसकी प्रक्रिया से अवगत होंगे।
4. विद्यार्थी भाषाविज्ञान में कार्पस के उपयोग को जान सकेंगे।
5. इसके अलावा विद्यार्थी कार्पस आधारित सॉफ्टवेयर के स्वरूप एवं सीमाओं से भी अवगत होंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		

मॉड्यूल-1	**कार्पस तथा कार्पस भाषाविज्ञान**	**06**	**02**	**02**	**10**	**17%**
1.1	कार्पस क्या है? (कार्पस, कार्पोरा, ट्रीबैंक)	01				
1.2	कार्पस की विशेषताएँ (निदर्शनीकरणएवं प्रतिनिधित्व, निश्चित आकार, मशीन-पठनीयरूप, मानकसंदर्भ)	02				
1.3	कार्पस भाषाविज्ञान	02				
1.4	कार्पस भाषाविज्ञान का विकास	01				
मॉड्यूल-2	**कार्पस के प्रकार**	**10**	**02**	**02**	**14**	**23%**
2.1	**पाठ विधा के आधार पर कार्पस के प्रकार-**लिखित कार्पस, वाचिक कार्पस	02				
2.2	**डाटा के स्वरूप के आधार पर-** सामान्य कार्पस, विशेष कार्पस, साहित्यिक कार्पस, मॉनिटर कार्पस	02				
2.3	**पाठ के प्रकार के आधार पर कार्पस के प्रकार-** एकभाषी**,** द्विभाषी, बहुभाषी कार्पस	02				
2.4	**निर्माण के उद्देश्य के आधार पर –**अनएनोटेटेड, एनोटेटेड कार्पस	02				
2.5	**अनुप्रयोग के आधार पर- (**सामानांतर, संदर्भ, तुलनात्मककार्पस)	02				
मॉड्यूल-3	**कार्पस निर्माण प्रक्रिया**	**08**	**02**	**02**	**12**	**20%**
3.1	कार्पसके आकार, प्रकार, समयावधि, पाठ प्रकार आदि का निर्धारण	01				
3.2	पाठ प्रस्तुतिकरण	01				
3.3	स्थानीयता का प्रश्न एवं लक्ष्य भाषा के प्रयोक्ता की पहचान	01				
3.4	डाटा सैम्पल की विधि	01				
3.5	डाटा इनपुट की विधि	01				
3.6	आवश्यक हार्डवेयर	01				
3.7	डाटा फाइलों का व्यवस्थापन	01				
3.8	कार्पस क्लीनिंग एवं कॉपीराईट की समस्या	01				
मॉड्यूल-4	**कार्पस संसाधन प्रक्रिया**	**08**	**02**	**02**	**12**	**20%**
4.1	बारंबरता गणना, शब्द छांटना (word sorting)	02				
4.2	सुसंगतता (concordance) , शाब्दिक संग्रह, क्विक, क्वैक (KWIC, KWAC)	01				
4.3	निकटवर्ती शब्द समूहन (Local Word Grouping - LWG) , रूपिमिक संसाधन	01				
4.4	शब्दभेद (POS) टैगिंग,एनोटेशन (Annotation)	01				
4.5	पद-विच्छेदन (parsing)	01				
4.6	शब्दार्थ टैगिंग (word sense tagging or semantic tagging) , कोशीमीकरण (Lemmatization)	02				
मॉड्यूल-5	**कार्पस की उपयोगिताएवं कार्पस का उपयोग**	**08**	**02**	**02**	**12**	**20%**
5.1	ज्ञान स्रोत के रूप में कार्पस का उपयोग	02				
5.2	भाषा प्रौद्योगिकी में कार्पस	02				

5.3	अनुवाद में सहायक उपकरणके रूप में कार्पस	01				
5.4	मानव- मशीन अंतरक्रियामें कार्पस	02				
5.5	वाक् प्रौद्योगिकी में कार्पस	01				
योग		**40**	**10**	**10**	**60**	**100%**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches,Methods,Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	समन्वित अभिगम, विद्यार्थी केंद्रित अभिगम, संप्रेषणात्मक अभिगम, अनुसरण अभिगम, कार्य-आधारित अभिगमआदि
विधियाँ	व्याख्यान-संवाद, दृष्टांत प्रविधि, समस्या-निराकरण, प्रश्नोत्तरी, प्रायोगिकी एवं ट्यूटोरियल आदि
तकनीक	संगणक समर्थित/साधित अधिगम, फ्लिप्ड कक्षा (**Flipped Classroom**) , ब्लेंडेड अधिगम (**Blended learning**) आदि
उपादान	श्वेत/श्याम पट्ट, **ICT** उपादान, पुस्तकें एवं नोट्स, संगणक प्रयोगशाला, मूडल एवं अन्य ऑनलाइन (वेब आधारित) शिक्षण के प्लेटफार्म आदि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	✓				

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning) :

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन(25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन(80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• Biber, D., Conrad, S., Reppen R. (1998) **Corpus Linguistics, Investigating Language Structure and Use**, Cambridge: Cambridge UniversityPress. • McEnery, T. and A. Wilson (1996) **Corpus Linguistics,** Edinburgh: Edinburgh University Press.
2	संदर्भ-ग्रंथ	• Bod, Rens et al. (ed) (2003) **Probabilistic Linguistics,** Cambridge, Massachusetts : London The MIT Press. • Botley, S. P., A. M. McEnery, and A. Wilson (ed.) (2000) **Multilingual Corpora**

		in Teaching and Research. Amsterdam -Atlanta, GA.: Rodopi. • Dash, N. S. (2001) **A Corpus-based Computational Analysis of the Bangla Language**. Doctoral Dissertation. University of Calcutta, Kolkata. (MS) . • Dash, N. S. and B. B. Chaudhuri (2000) **The process of designing a multidisciplinary monolingual sample corpus**. International Journal of Corpus Linguistics. 5 (2) : 179-197. • Jan Svartvik (ed) , (1990) **The London Corpus of Spoken English: Description and Research**. Lund Studies in English 82. Lund University Press.
3	ई-संसाधन	आई.सी.टी. आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी. पाठशाला एवं यूट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्यख्यान आदि।
4	अन्य	

****

1. पाठ्यचर्या का नाम- भाषा सर्वेक्षण
(Language Survey)
2. पाठ्यचर्या का कोड – MALG- S4C3
3. क्रेडिट (Credit) - 04
4. सेमेस्टर (Semester) - IV
5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशल विकास गतिविधियाँ	10
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

भाषा सर्वेक्षण भारत जैसे भाषिक विविधता वाले देश की आवश्यकता है। भाषा सर्वेक्षण के लिए ऐसे विद्यार्थियों की आवश्यकता होती है, जिन्हें भाषाविज्ञान का समुचित सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान हो। एक भाषाविज्ञान का विद्यार्थी ही भाषा सर्वेक्षण का वास्तविक क्रियान्वयक हो सकता है। इसके लिए उसे भाषा सर्वेक्षण संबंधी आधारभूत ज्ञान होना चाहिए। प्रस्तुत पाठ्यचर्या इसी दृष्टि से तैयार की गई है। इसमें भाषा सर्वेक्षण के स्वरूप, भारत के भाषायी परिदृश्य समेत सभी आवश्यक बातों का समावेश किया गया है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes-CLOS)

- विद्यार्थी भाषा सर्वेक्षण की अवधारणा और आवश्यकता से परिचित हो सकेगा।
- भारत के भाषायी संदर्भ में भाषा सर्वेक्षण संबंधी व्यावहारिक ज्ञान और कौशल प्राप्त कर सकेगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या एवं नाम	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**भाषा सर्वेक्षण : एक परिचय**	**10**	**03**	**03**	**16**	**27%**

1.1	भाषा सर्वेक्षण क्या है?	02				
1.2	भाषा सर्वेक्षण की आवश्यकता	02				
1.3	भाषा सर्वेक्षण के अंग	02				
1.4	भाषा सर्वेक्षण हेतु आवश्यकताएँ	02				
1.5	भाषा सर्वेक्षण और बोली वर्णन	01				
1.6	भाषा सर्वेक्षण और भाषा भूगोल	01				
मॉड्यूल-2	**भारत का भाषायी परिदृश्य**	**10**	**02**	**02**	**14**	**23%**
2.1	भारत : एक भाषायी क्षेत्र	02				
2.2	भारतीय भाषाओं में समानता	02				
2.3	भारतीय भाषाओं में अंतर	02				
2.4	भारतीय समाज में द्विभाषिकता और बहुभाषिकता	02				
2.5	भारत का भाषायी परिवेश और भाषा सीमा	02				
मॉड्यूल-3	**भारत में भाषा सर्वेक्षण की आवश्यकता**	**10**	**03**	**02**	**15**	**25%**
3.1	जार्ज ग्रियर्सन का भाषा सर्वेक्षण	02				
3.2	जार्ज ग्रियर्सन के भाषा सर्वेक्षण की कमियाँ/सीमाएँ	02				
3.3	नए भाषा सर्वेक्षण की आवश्यकता	02				
3.4	नए भाषा सर्वेक्षण से लाभ	02				
3.5	भाषा सर्वेक्षण के संदर्भ भारत की समाजसांस्कृतिक एकता का महत्व	02				
मॉड्यूल-4	**भाषा सर्वेक्षण प्रक्रिया**	**10**	**02**	**03**	**15**	**25%**
4.1	उद्देश्य एवं प्रकार का निर्धारण	02				
4.2	सर्वेक्षण माध्यमों एवं उपकरणों का चयन (अभिसूचक कार्ड, आवृत्ति तालिका, टेपरिकार्डकर, स्मार्टफोन, लैपटॉप आदि)	01				
4.3	सर्वेक्षण पद्धति	01				
4.4	अन्वेषक, योग्यता एवं चयन के आधार	01				
4.5	अन्वेषण प्रणाली	01				
4.6	सर्वेक्षण सामग्री और उसका संकलन (क्षेत्रीय विविधता एवं एकरूपता को समाहित करने के आलोक में)	01				
4.7	स्वनिक लिप्यंकन	01				
4.8	विश्लेषण (स्वनिमिक, आक्षरिक, रूपिमिक, वाक्यात्मक, कोशगत तथा अर्थगत)	01				
4.9	प्रस्तुति (प्रतिकृति-प्रस्तुति, सारणीबद्ध-प्रस्तुति, मानचित्र-प्रस्तुति, अभ्युक्तियुक्त-प्रस्तुति, समभाषांश-सीमारेखा आदि)	01				
योग		**40**	**10**	**10**	**60**	**100%**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान (Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	
विधियाँ	व्याख्यान, कक्षाध्यापन पर चर्चा, अभ्यास, विद्यार्थियों के बीच वार्ता और अंतरक्रिया

तकनीक	कक्षाध्यापन, ऑनलाइन शिक्षण,तकनीकी प्लेटफॉर्म से सामग्री उपलब्ध कराना, व्याख्या, प्रत्यक्ष अभ्यास, प्रयोगशाला में अभ्यास, होमवर्क, ट्यूटोरियल,
उपादान	प्रत्यक्ष कक्षा, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म (जैसे- गूगल मीट) , मूडल, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, अन्य उपलब्ध ऑनलाइन संसाधन

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix) :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	✓				

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning) :

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	उप्रेती, मुरारीलाल. (1999) . भाषा-सर्वेक्षण : सिद्धांत और व्यवहार. बिहार राष्ट्रभाषा परिषद।
2	संदर्भ-ग्रंथ	▪ ना.प्र.स. ग्रियसन- (1959) भारत का भाषा सर्वेक्षण, प्रकाशन शाखा, सूचना विभाग उ.प्र. | ▪ Upreti,Hema. (2012). भाषा- सर्वेक्षण एवं विश्लेषण के सिद्धांतों का अनुप्रयोग. AlekhPrakashan. ▪ Michael v. Barry. (1994). Survey of English Dialects. Routledge. ▪ भारत का भाषा सर्वेक्षण-Language Survey of India ▪ Dr.Udaynarayan Tiwari, Publisher: Uttar Pradesh Hindi Sansthan, Lucknow
3	ई-संसाधन	मूडल, वेबसाइट, ब्लॉग़, आई.सी.टी. आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी. पाठशाला एवं यूट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान आदि।
4	अन्य	

1. पाठ्यचर्या का नाम- भाषा और जेंडर
(Language & Gender)
2. पाठ्यचर्या का कोड – MALG- S4O1
3. क्रेडिट (Credit) - 02
4. सेमेस्टर (Semester) - IV
5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

जेंडर में अंतर मानव भाषाओं की संरचना और व्यवहार से जुड़ा एक महत्वपूर्ण बिंदु है। प्रस्तुत पाठ्यचर्याभाषाविज्ञान के अध्येताओं को इसके विविध पक्षों का बोध कराती है।

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	05
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशल विकास गतिविधियाँ	05
कुल क्रेडिट घंटे	**30**

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes-CLOS)

इस पाठ्यचर्या के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी समाजभाषावैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य, मुख्यत: 'जेंडर' के परिप्रेक्ष्य में भाषा के विविध पक्षों से परिचित हो सकेंगे। इसमें पुरुष एवं स्त्री का बोध, जेंडर समानता एवं असमानता, साहित्य में जेंडर की स्थिति आदि सम्मिलित हैं।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या एवं नाम	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**जेंडर क्या है?**	**05**	**01**	**01**	**07**	**23%**
1.1	जेंडर और लिंग	01				
1.2	जेंडर के विविध प्रकार	02				
1.3	जेंडर अध्ययन का संक्षिप्त इतिहास	02				
मॉड्यूल-2	**पुरूषत्व और स्त्रीत्व**	**05**	**01**	**01**	**07**	**23%**
2.1	स्त्री और पुरूष से संबंधित जैविक और मनोवैज्ञानिक सिद्धांत	**02**				
2.2	नशिवाद	01				
2.3	पितृसत्ता	01				
2.4	जेंडर भूमिकाएँ	01				
मॉड्यूल-3	**स्टीरियोटाइपिंग**	**04**	**01**	**01**	**06**	**20%**
3.1	समाजीकरण, सामाजिक संरचना और जेंडर	02				
3.2	भाषा में लिंग सापेक्षता	01				
3.3	निजी और सार्वजनिक स्तर पर भेदभाव और हिंसा	01				
मॉड्यूल-4	**भाषा व्यवहार और जेंडर**	**05**	**01**	**01**	**07**	**24%**
4.1	फिल्म और मीडिया की भाषा में जेंडर	01				
4.2	स्त्री भाषा	01				

4.3	भाषा में मर्दवाद	01				
4.4	भाषा और स्त्री	01				
4.5	प्रोक्ति विश्लेषण और जेंडर अध्ययन	01				
मॉड्यूल-5	**भाषा और सबलीकरण**	**01**	**01**	**01**	**03**	**10**
योग		**20**	**05**	**05**	**30**	**100%**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान (Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केंद्रित अभिगम कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली
विधियाँ	व्याख्यान विधि, विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि
तकनीक	आई.सी.टी.आधरित, शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई .पी. जी. पाठशाला, सहायक सामग्री का प्रयोग श्यामपट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस, आलेख, पत्रिका आलेख, फोटो प्रति आदि।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix) :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓						

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning) :

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा 75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30**%**	50**%**	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	मूडल, वेबसाइट, ब्लॉग़, आई.सी.टी. आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी. पाठशाला एवं यूट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्यख्यान आदि।
4	अन्य	

****

1. पाठ्यचर्याका नाम:भाषा और मीडिया
(Name of the Course) :Languageandmedia
2. पाठ्यचर्याकाकोड:MALG-S401
(Code of the Course)
3. क्रेडिट: 2 4. सेमेस्टर:चतुर्थ
(Credit) (Semester)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	15
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	05
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	05
कुल क्रेडिटघंटे	**30**

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)

भारत एक बहुभाषी देश है, जहाँ अनगिनत भाषाएँ और बोलियाँ हैं। लेकिन इसके बावजूद हिंदी एक ऐसी भाषा के रूप में अपना अस्तित्व बनाये हुए है, जो सभी भाषाओं को एक सूत्र में पिरोती है। आज का समाज,'सूचना समाज' है। सूचनाओं का त्वरित प्रसार मीडिया द्वारा होता है। एक ओर मीडिया सूचनाओं को प्रसारित करता है, दूसरी ओर भाषा के विकास और रूप निर्धारण में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
इस पाठ्यचर्या में मीडिया के विविध रूपों में प्रयुक्त भाषा के स्वरूप का अध्ययन किया जायेगा। और, मीडिया के विविध रूपों ने हिंदी भाषा को रचने, गढ़ने और बदलने में किस प्रकार की भूमिका निभायी है; इसका भी आंकलन किया जायेगा।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम:
(Course Learning Outcomes)
(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा,साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/अनिवार्य होगी ।)

मीडिया के विविध रूपों में परिवर्तित होने वाली भाषा से परिचित हो सकेंगे। और, मीडिया में प्रयुक्त होने वाली भाषा का व्यवहार सीख सकेंगे।

ज्ञान/बोध संबंधी	कौशल/दक्षता संबंधी	रोजगार संबंधी
✓	✓	✓

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल	संवाद /प्रशिक्षण / प्रयोगशाला		
मॉड्यूल-1	**भाषा का प्रकार्य**	**06**	**02**	**02**	**10**	33%
1.1	जन-माध्यमों के विविध रूप : प्रिंट माध्यम, इलेक्ट्रॉनिक माध्यम, नव मीडिया और अन्य माध्यम	06				
मॉड्यूल-2	**संचार प्रक्रिया और माध्यम का प्रभाव**	**08**	**02**	**02**	**12**	40%
2.1	संचार प्रक्रिया और भाषा	02				
2.4	संचार प्रक्रिया और उसके प्रतिमान : रेखीय, गैर-रेखीय,	06				

	पारस्परिक और ट्रांसजेक्शनल प्रतिमान					
मॉड्यूल-3	**संचार प्रक्रिया में भाषा**	**06**	**01**	**01**	**08**	27%
3.1	प्रिंट माध्यम की भाषा का विश्लेषण : संघटन, विकास/ बदलाव की दिशा	02				
3.2	इलेक्ट्रॉनिक माध्यम की भाषा का विश्लेषण : संघटन, विकास/ बदलाव की दिशा	02				
3.3	नव माध्यम की भाषा का विश्लेषण : संघटन, विकास/ बदलाव की दिशा	01				
3.4	हिंदी भाषा के स्वरूप पर प्रभाव	01				
योग		**20**	**05**	**05**	**30**	100%

टिप्पणी:

3. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
4. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	व्यवहारवादी, संज्ञानात्मक एवं भाषावैज्ञानिक
विधियाँ	प्रत्यक्ष, संप्रेषण / संवादमूलक, सहभागिता एवं सहकारमूलक
तकनीक	अभ्यास, प्रश्नोत्तरी, ट्यूटोरियल, कंप्यूटर समर्थित तकनीकें एवं सॉफ्टवेयर
उपादान	भाषा-प्रयोगशाला, आईसीटी उपकरण, कंप्यूटर तथा वेब एवं अन्य शिक्षणोपयोगी प्लेटफॉर्म

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	✓				

टिप्पणी:

3. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
4. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning) :

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक					
पूर्णांक					

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।
#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	**आधार/ पाठ्य- ग्रंथ**	1. जफरादारी, शर्मा सतीश. (2013) . *संचार माध्यमों की भाषा और नई हिंदी*. नई दिल्ली: तक्षशिला प्रकाशन. 2. तिवारी,भोलानाथ. (2009) . भाषाविज्ञान प्रवेश एवं हिंदी भाषा. नयी दिल्ली: किताबघर प्रकाशन 3. पचौरी, सुधीश. (2009) . *नया मीडिया नये मुद्दे*. नई दिल्ली : वाणी प्रकाशन. 4. बकार्डजाईवा, मारिया. (2005) . *इंटरनेट सोसाइटी*. नई दिल्ली: सेज पब्लिकेशन.
2	**संदर्भ-ग्रंथ**	5. भटनागर प्रसाद, रघुवीर. (1980) . आधुनिक भाषाविज्ञान की भूमिका.जयपुर : राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादेमी 6. वर्मा, रामचन्द्र. (2005) .अच्छी हिंदी. इलाहाबाद : लोकभारती प्रकाशन 7. गुरु, पं. कामताप्रसाद. (सं. 2054) . हिंदी व्याकरण. काशी : नागरी प्रचारिणी 8. वाजपेयी, पं. किशोरीदास. (सं. 2055) . हिंदी शब्दानुशासन. काशी : नागरी प्रचारिणी 9. शुक्ल, हनुमानप्रसाद. (2012) .*हिंदी भाषा: परंपरा और प्रगति*. नयी दिल्ली: प्रकाशन संस्थान. 10. श्रीवास्तव,रवीद्रनाथ. (1995) . हिंदी भाषा संरचना के विविध आयाम.नयी दिल्ली : राधाकृष्ण प्रकाशन 11. श्रीवास्तव,रवीद्रनाथ. (2000) . अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान सिद्धांत एवं प्रयोग .नयी दिल्ली : राधाकृष्ण प्रकाशन 12. श्रीवास्तव,रवीद्रनाथ. (2015) . *भाषाई अस्मिता और हिंदी*. नयी दिल्ली: वाणी प्रकाशन.
3	**ई-संसाधन**	वेब आधारित हिंदी शिक्षण संबंधी वेबसाइट्स
4	**अन्य**	--

****

1. पाठ्यचर्या का नाम- कोशविज्ञान और कोशनिर्माण (Lexicology and Lexicography)
2. पाठ्यचर्या का कोड – MALG- S4O2
3. क्रेडिट (Credit) - 04
4. सेमेस्टर (Semester) - IV
5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशल विकास गतिविधियाँ	10
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

शब्दकोशों का निर्माण एवं रखरखाव (maintenance) भाषा से संबंधित एक महत्वपूर्ण कार्य है। इस कारण 'कोशविज्ञान'एवं 'कोशकला'का भाषाविज्ञान के एक प्रमुख क्षेत्र के रूप में स्थान रहा है। प्रस्तुत पाठ्यचर्या अध्येताओं को कोशविज्ञान के स्वरूप, शब्दकोश और इसके प्रकार, शब्दकोश निर्माण प्रक्रिया का ज्ञान कराने साथ-साथ हिंदी के कुछ प्रमुख कोशों का परिचय भी कराती है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes-CLOS)

- कोशविज्ञान के अर्थ एवं स्वरूप के साथ-साथ कोश निर्माण प्रक्रिया से अवगत कराना।
- विविध प्रकार के मुद्रित तथा डिजिटल कोशों के निर्माण के दौरान उपस्थित होने वाली समस्याओं/कठिनाइयों के समाधान हेतु यथोचित निर्णय लेने में सक्षम बनाना ताकि वह कोश निर्माण एवं प्रयोग की कला में दक्षता अर्जित कर सके।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या एवं नाम	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में) व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)	कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
मॉड्यूल-1	**कोशविज्ञान : परिचय**	**08**	**02**	**02**	**12**	**20%**
1.1	कोशविज्ञान का अर्थ और परिभाषा	01				
1.2	कोशविज्ञान का स्वरूप और उपादेयता	01				
1.3	कोशविज्ञान और शब्दार्थविज्ञान (विश्वर और भारत)	02				
1.4	कोशविज्ञान और अर्थविज्ञान में संबंध।	02				
1.5	शब्दों के विविध प्रकार (समध्वभनि, समानार्थी, विलोम इत्यादि)	02				
मॉड्यूल-2	**कोश के प्रकार**	**08**	**02**	**02**	**12**	**20%**
2.1	**भाषा के आधार पर-** (i) एकभाषिक (ii) द्विभाषिक (iii) बहुभाषित	**02**				
2.2	**विशेष प्रयोजनों के आधार पर- 1** (i) पर्यायवाची कोश, उच्चारण कोश (ii) मुहावरा-लोकोक्ति कोश ,संदर्भ कोश, परिभाषा कोश	**02**				
2.2	**विशेष प्रयोजनों के आधार पर-2**	**02**				

	(i) अध्येता कोश (ii) प्रयोग कोश बृहत कोश, ज्ञान कोश					
2.3	(i) व्युत्पत्ति कोश (Etymological) कोश (ii) विश्व कोश (iii) थिसारस	**02**				
2.4	ई-कोश					
मॉड्यूल-3	**कोशनिर्माण की प्रक्रिया**	**10**	**02**	**02**	**14**	**24%**
3.1	(i) नियोजन (ii) सामग्री संकलन (लिखित और अलिखित भाषाओं हेतु) (iii) प्रविष्टियों का चयन (iv) मुख्य शब्द (Head Word) (v) वर्तनी और उच्चारण	05				
3.2	(vi) व्याकरणिक सूचनाएं (vii) अर्थ, व्याख्या और वर्णन, अर्थक्रम (viii) संक्षिप्तियाँ (ix) परिशिष्ट	05				
मॉड्यूल-4	**कोशनिर्माण की चुनौतियाँ (हिंदी के संदर्भ में)**	**07**	**02**	**02**	**11**	**18%**
4.1	(i) मानक वर्तनी,	**02**				
4.2	(ii) व्युत्पत्ति (iii) आगत शब्दों में नुक्ता	**02**				
4.3	(iv) लिप्यंतरण	**02**				
4.4	यौगिक शब्द, प्रत्यययुक्त शब्द और पुनरूक्त शब्द की प्रविष्टि	**01**				
मॉड्यूल-5	**कुछ महत्वपूर्ण कोशों का परिचय**	**07**	**02**	**02**	**11**	**18%**
5.1	हिंदी शब्द – सागर वर्धा हिंदी शब्दकोश एक ई-कोश।	**04**				
5.2	(i) Oxford Dictionary & Thesaurus (ii) Encyclopedia Britannica New Webster's Dictionary	**04**				
योग		**40**	**10**	**10**	**60**	**100%**

❖ ट्यूटोरियल के 20 घंटों में अन्य गातिविधियों के अलावा छात्रगण मुद्रित और डिजिटल शब्दकोश बनाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्राप्त करेगे।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान (Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केंद्रित अभिगम कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली
विधियाँ	व्याख्यान विधि, विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि
तकनीक	आई.सी.टी.आधरित, शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई .पी. जी. पाठशाला, सहायक सामग्री का प्रयोग श्यामपट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस, आलेख, पत्रिका आलेख, फोटो प्रति आदि।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix) :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	✓				

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning) :

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा 75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	सिंह, रामआधार. (1990) कोशविज्ञान : सिद्धांत एवं अनुप्रयोग. नई दिल्ली : नेशनल पब्लिशिंग हाउस।
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. तिवारी, भोलानाथ. ( ). कोशविज्ञान. वाराणसी: ज्ञानमण्डल लिमिटेड. 2. गुप्ता, विक्रम., &पाण्डेय. दर्शन. (2018). कोशविज्ञान: शब्दकोश और विश्वकोश. नई दिल्ली: संजय प्रकाशन. 3. चातक, गोविंद. ( ). आधुनिक हिंदी शब्द-कोश. दिल्ली: तक्षशिला प्रकाशन. 4. गुप्त, मनोरमा (सं.). (1984). कोशविज्ञान. आगरा: केंद्रीय हिंदी संस्थान. 5. रोहरा, सतीश कुमार(सं.)., &पीताम्बर(सह.सं.). (1989). कोश विज्ञान-सिद्धांत एवं मूल्यांकन आगरा: केंद्रीय हिंदी संस्थान.
3	ई-संसाधन	मूडल, वेबसाइट, ब्लॉग़, आई.सी.टी. आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी. पाठशाला एवं यूट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्यख्यान आदि।
4	अन्य	

1. पाठ्यचर्या का नाम- भाषा प्रौद्योगिकी और प्राकृतिक भाषा संसाधन (Language Technology and NLP)

2. पाठ्यचर्या का कोड – MALG- S4O2

3. क्रेडिट (Credit) - 04

4. सेमेस्टर (Semester) - IV

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशल विकास गतिविधियाँ	10
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

प्रस्तुत पाठ्यचर्या भाषा और प्रौद्योगिकी के संयोग से उत्पन्न नवीन क्षेत्र 'भाषा प्रौद्योगिकी' से विद्यार्थियों का परिचय कराती है। इसके अंतर्गत सर्वप्रथम भाषा प्रौद्योगिकी की अवधारणा और स्वरूप की बात करते हुए प्राकृतिक भाषा संसाधन की अवधारणा और इसकेप्रकारों का समावेश किया गया है। चूँकि प्राकृतिक भाषा संसाधन की प्रक्रिया मशीन (कंप्यूटर) पर संपादित की जाती है, इसलिए आगे इसकी मशीनी प्रक्रिया की बात करते हुए अगले मॉड्यूल में प्राकृतिक भाषा संसाधन केअनुप्रयोग क्षेत्रों का परिचय दिया गया है। अंत में प्राकृतिक भाषा संसाधन हेतु आवश्यक मशीनी और भाषायी इकाइयों/व्यवस्थाओं की ओर संकेत किया गया है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes-CLOS)

- भाषा प्रौद्योगिकी की अवधारणा और स्वरूप का ज्ञान होना।
- प्राकृतिक भाषा संसाधन की अवधारणा और इसकेप्रकारों का परिचय होना।
- प्राकृतिक भाषा संसाधन की मशीनी प्रक्रिया और इसके लिए आवश्यक मशीनी और भाषायी इकाइयों/व्यवस्थाओं का बोध होना।
- प्राकृतिक भाषा संसाधन केअनुप्रयोग क्षेत्रों से परिचित होना।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या एवं नाम	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**भाषा प्रौद्योगिकी: अवधारणा और स्वरूप**	**06**	**02**	**02**	**10**	**17%**
1.1	भाषा प्रौद्योगिकी: अवधारणा (Language Technology :Concept)	01				
1.2	भाषा प्रौद्योगिकी: लक्ष्य एवं वर्तमान सीमाएँ (Language Technology : Targets and Current Limitations)	01				
1.3	भाषा प्रौद्योगिकी का वर्तमान परिदृश्य: भारतीय एवं वैश्विक (Current aspects of LT : Indian and Global Perspectives)	02				
1.4	भाषा प्रौद्योगिकी और अन्य संबंधित विषय (Language Technology and other related Disciplines)	02				
मॉड्यूल-2	**प्राकृतिक भाषा संसाधन : अवधारणा और प्रकार**	**08**	**02**	**02**	**12**	**20%**
2.1	प्राकृतिक भाषा संसाधन: अवधारणा (Natural Language Processing:Concept)	01				
2.2	पाठ संसाधन (Text Processing) , वाक् संसाधन (Speech Processing)	02				
2.3	शब्द संसाधन (Word-processing) , वाक्य संसाधन (Sentence Processing) , पाठ संसाधन (Text Processing)	02				
2.4	नियम आधारित (Rule Based) औरकार्पस आधारित (Corpus Based) उपागम	02				
2.5	विश्लेषण (Analysis) और प्रजनन (Generation)	01				
मॉड्यूल-3	**प्राकृतिक भाषा संसाधन की मशीनी प्रक्रिया**	**10**	**02**	**02**	**14**	**23%**

3.1	इनपुट पाठ	01				
3.2	सामान्यीकरण	01				
3.3	खंडीकरण	01				
3.4	रूपविश्लेषण	01				
3.5	टैगिंग	02				
3.6	पद-विच्छेदन	01				
3.7	अनुप्रयोग आधारित संसाधन	01				
3.8	पाठ संश्लेषण	01				
3.9	आउटपुट निर्माण	01				
मॉड्यूल-4	**प्राकृतिक भाषा संसाधन : अनुप्रयोग क्षेत्र**	**10**	**02**	**02**	**14**	**23%**
4.1	मशीनी अनुवाद (Machine Translation)	01				
4.2	पाठ से वाक् और वाक् से पाठ (TTS & STT)	01				
4.3	ओ.सी.आर. (OCR)	01				
4.4	संगणकीय कोश (Computational lexicon)	01				
4.5	लिप्यंतरण (Transliteration)	01				
4.6	सूचना प्रत्यानयन (Information Retrieval)	01				
4.7	पाठ सारांशीकरण (Text Summarization)	01				
4.8	संगणक साधित भाषा अधिगम/शिक्षण (CALLearning/Teaching)	01				
4.9	प्रश्न उत्तर प्रणालियाँ (Question Answering Systems)	01				
4.10	कृत्रिम बुद्धि (Artificial Intelligence)	01				
मॉड्यूल-5	**प्राकृतिक भाषा संसाधन: आवश्यकताएँ**	**06**	**02**	**02**	**10**	**17%**
5.1	प्रोग्रामिंग भाषा	02				
5.2	डाटाबेस प्रबंधन प्रणाली	01				
5.3	व्याकरणिक मॉडल	02				
5.4	मशीनी अधिगम संबंधी मॉडल	01				
योग		**40**	**10**	**10**	**60**	**100%**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान (Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केंद्रित
विधियाँ	व्याख्यान, कक्षाध्यापन पर चर्चा, अभ्यास, विद्यार्थियों के बीच वार्ता और अंतरक्रिया
तकनीक	कक्षाध्यापन, ऑनलाइन शिक्षण,तकनीकी प्लेटफॉर्म से सामग्री उपलब्ध कराना, व्याख्या, प्रत्यक्ष अभ्यास, प्रयोगशाला में अभ्यास, होमवर्क, ट्यूटोरियल,
उपादान	प्रत्यक्ष कक्षा, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म (जैसे- गूगल मीट) , मूडल, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, अन्य उपलब्ध ऑनलाइन संसाधन

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix) :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	✓				

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning) :

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन(25%)	**सत्रांत परीक्षा 75%)**

घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा॥

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• Bharati, A. Chaitanya, V. &Sangal, R. (1995) .*Natural Language Processing: A Paninian perspective*. New Delhi: Prentice-Hall of India. • Bird, S., Klein, E. &Loper, E. (2009) .*Natural Language Processing with Python Analyzing Text with the Natural Language Toolkit*. Sebastopol: O' Railly Media. • Date, C.J. (2003) .*An Introduction to Database Systems*. Boston: Addison-Wesley. • Heinrich, S. ed. (1999) .*Foundations of Statistical Natural Language Processing*. Cambridge: MIT Press. • Jurafsky, D. & Martin, J.H. (2008) .*Speech and language processing: an introduction to natural language processing, computational linguistics, and speech recognition*. N.J.: Pearson. • NPTEL: Prof. Pushpak Bhattacharya online course on NLP • Silberschatz, A., Korth, H. & Sudarshan, S. (2010) .*Database System Concepts*. N.Y.: McGraw-Hill Education. • XTAG REPORT, http://www.cis.upenn.edu/~xtag/ • प्रसाद, धनजी. (2011) . भाषाविज्ञान का सैद्धांतिक, अनुप्रयुक्त एवं तकनीकी पक्ष. नई दिल्ली :प्रिय साहित्य सदन. • ... . (2019) . हिंदी का संगणकीय व्याकरण , नई दिल्ली : राजकमल प्रकाशन। • मल्होत्रा, विजय कुमार. (1998) . *कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग* .नई दिल्ली: वाणी प्रकाशन.
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	मूडल, वेबसाइट, ब्लॉग़, आई.सी.टी. आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी. पाठशाला एवं यूट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्यख्यान आदि।
4	अन्य	

****